रजिस्ट्री सं० डी-.222 REGISTERED NO. D-221

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

1/2 3014

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 1, 1967 (चैत्र 11, 1889)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 1, 1967 (CHAITRA 11, 1889)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 17 मार्च, 1967 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 13th March, 1967:—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
41	No. 9/4/67-P, dt. 17-3-67.	Ministry of Home Affairs	Appointment of Sh. K. Hanumanthaiya, M.P. to be the Chairman of the Administrative Reforms Commission.
42	No. 27-ITC(PN)/67, dt. 17-3-67.	Min. of Commerce	Imports from the U.S.A. under U S AID Project Loan, 1966.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	341
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	295

	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	219
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	501
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1157
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	83
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	181
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	135
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	45
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	185
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	53
पूरक सं० 13—	
25 मार्च 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	455
4 मार्च 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े ..	471

	Pages
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court — — —	341
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court — — — —	295
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence — — — — ..	—
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	219
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. — — .. —	—
PART II—SECTION 2.—*Bills and Reports of Select Committees on Bills* — .. —	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	501
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) —	1157
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	83
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. — — — ..	181
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	135
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. —	45
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .. —	185
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies —	53
SUPPLEMENT No. 13—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 25th March 1967 — .. — —	455
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 4th March 1967 —	471

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिवत् नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1967

सं० 18-प्रेज़०/67—राष्ट्रपति, निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शित अति असाधारण विशिष्ट सेवाओं के उपलक्ष्य में उनको विशिष्ट सेवा मेडल "प्रथम श्रेणी" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

लेफ्टिनेन्ट जनरल तीरथ राम पाहवा (एम० आर०-158)।

मेजर जनरल शैलेन्द्र मोहन बसु (एम० आर०-145), ए० एम० सी०।

रियर एडमिरल पवित्र कुमार मुकर्जी।

एयर वाईस मार्शल वाई० वी० मालसे।

एयर वाईस मार्शल केनियन्थ्रा ऐलक्जेंडर जोज़फ (2960), टैक/सिगनल्स।

एयर कमोडोर गुरबचन सिंह (1779), इक्विपमेंट ब्रांच।

सं० 19-प्रेज़/67—राष्ट्रपति, निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शित असाधारण विशिष्ट सेवाओं के उपलक्ष्य में उनको विशिष्ट सेवा मेडल "द्वितीय श्रेणी" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

मेजर जनरल रुस्तम जाल कबराजी (आई० सी०-796), सिगनल्स।

ब्रिगेडियर शिवदान सिंह (आई० सी०-895), एम० सी०।

ब्रिगेडियर नरिन्दर नाथ चोपड़ा (आई० सी०-567), ए० ओ० सी०।

ब्रिगेडियर वरियाम सिंह आहलुवालिया (आई० सी०-3089), ई० एम० ई०।

ब्रिगेडियर नरन्जन सिंह (आई० सी०-852), एम० सी०, सिख लाईट इन्फैंट्री।

कमोडोर ज्ञान सरूप कपूर।

कमोडोर चन्द्र भूषण, आई० एन०।

एयर कमोडोर फ्रैड्रिक वान एलन स्कइर (2639), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

कर्नल अनन्त महारुद्राप्पा काडकोल (आई० सी०-1751), ग्रेनेडियर्स।

कप्तान सुधीर कुमार चैटर्जी, आई० एन०।

कप्तान सतविन्दर सिंह सोधी, आई० एन०।

ग्रुप कप्तान कृष्ण मोहन राम।

ग्रुप कप्तान राज कुमार सिंह मारया (2916), टैक/इन्जीनियरिंग।

ग्रुप कप्तान जुग्गर सिंह राम सिंह (2180), टैक/इंजीनियरिंग।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल नरदीप सिंह (आई० सी०-3965), इन्जीनियर्स।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल बालोराम मुकर्जी (एम० आर०-1090), एम० एस० सी०।

विंग कमांडर जौन चार्ल्स प्लोमर (3299), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

स्क्वाड्रन लीडर निजराम सतरामदास भगवानानी (4509), मेडिकल।

स्क्वाड्रन लीडर राजेन्द्र सिंह बिशनोई (3728), ए० एण्ड एस० डी० ब्रांच।

सं० 20-प्रेज़/67—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शित उच्च कोटि की विशेष सेवाओं के उपलक्ष्य में उनको विशिष्ट सेवा मेडल "तृतीय श्रेणी" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

एक्टिंग ब्रिगेडियर फ्रैड्रिक लीविलिन फ्रीमैन्टल (आई० सी०-1215), गोरखा राईफल्स।

एक्टिंग ब्रिगेडियर एडाथिल अम्बालावटय राममोहन (आई० सी०-671), मद्रास।

एक्टिंग ब्रिगेडियर जसवन्त सिंह (आई० सी०-604), पंजाब।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल शिमोगा रंगाभानावारा गणेशिया (एम० आर०-414), ए० एम० सी०।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल फरहत भट्टी (आई० सी०-2343), ग्रेनेडियर्स।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल जसवन्त सिंह भुल्लर (आई० सी०-2537), पंजाब।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल जीत सिंह गिल्ल (आई० सी०-2626), राजपूत।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल रूमी होमी मिस्त्री (आई० सी०-2922), ए० एस० सी० (**मरणोपरांत**)।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल मैथ्यू थौमस (आई० सी०-3950), पारा।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल अवतार सिंह (आई० सी०-7289), सिख।

कमांडर अनिल कुमार भाटिया, इलेक्ट्रिकल।

विंग कमांडर कृष्ण गोपाल पिल्ले (2018), इक्विपमेंट (**मरणोपरांत**)।

विंग कमांडर वेंट्राक्कोरुमकंकव शिवाराम नारायणन (3549), टैक/सिगनल्स।

मेजर परप्पुरत कन्डोथरा लक्ष्मणन (एम० आर०-1182), ए० एम० सी०।

लेफ्टिनेन्ट कमांडर आर० ए० जे० ऐंडरसन, आई० एन०।

स्क्वाड्रन लीडर शिवनाथ राय चौधरी (5239), टैक/इंजीनियरिंग।

कप्तान कस्तूरी शर्मा (एम० आर०-1101), ए० एम० सी०।

कप्तान अमीतवा मुखरजी (एम०-30108), ए० एम० सी०।

लेफ्टिनेन्ट (एस० डी०) (सी०) अब्दुल रहमान बाबू, आई० एन०।

लेफ्टिनेन्ट (एस० डी०) (डिव०) अधीर चन्द्र भट्टाचार्जी, आई० एन०।

10516 मास्टर वारंट अफसर (आनरेरी फ्लाइंग अफसर) गैबरियल पैट्रिक, फिटर-1।

3774 मास्टर वारंट अफसर साधू सिंह डोगरा, मशीन टूल्स सेफ्टी ओपरेटर।

11089 मास्टर वारंट अफसर शान्ति सरूप कपूर, आई०ए० एफ०, पुलिस।

जे० सी०-6273 रिसालदार कुन्दन सिंह, 4 हार्स।

1010797 दफादार लश्कर सिंह, हडसन्ज हार्स।

264772 लास नायक हवा सिंह, ग्रेनेडियर्स (मरणोपरांत)।

214991 कार्पोरल अरुणगोतुकरा वीरराघवा सुब्रामनियन, वायरलेस आपरेटर मैकेनिक-ii।

मास्टर-एट-आर्मस मोहम्मद अबदुल्ला (ऑ० न०-2732)।

चीफ इन्जन रूम आपरेटर डी० एफ० बरूचा (ऑ० न०-13127)।

सं० 21-प्रेज, 67—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी वीरता के लिये "अशोक चक्र, तृतीय श्रेणी" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. कप्तान नरेन्द्र नाथ शर्मा नियोग (एम०-30063), ए०एम० सी०।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—14 मार्च 1966)

कप्तान नरेन्द्र नाथ शर्मा नियोग गोरखा राईफल्स की एक बटालियन के मेडिकल अफसर थे। 14 मार्च 1966 को उनकी यूनिट मीजो पहाड़ियों में ऐजल-चम्फाई सड़क पर उपद्रवियों की भारी गोलाबारी में आ गई और काफी लोग हताहत हुए। अपनी सुरक्षा की परवाह न कर, वह पीछे की स्थिति से आगे बढ़े और भारी गोलाबारी के सम्मुख जब तक युद्ध में बुरी तरह से जख्मी सभी जवान निकाले न गये, चिकित्सा सहायता करते रहे।

इस कार्यवाही में, कप्तान नरेन्द्र नाथ शर्मा नियोग ने साहस तथा व्यवसाहिक कुशलता का परिचय दिया।

2. मेजर अशोक आनन्द (आई० सी०-10513), बिहार रेजिमेन्ट। (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—16 मई 1966)

मेजर अशोक आनन्द को 7 मई 1966 को मीजो पहाड़ियों में उपद्रवियों से निपटने के लिये एक कम्पनी कालम का नेतृत्व करने के लिये तैनात किया गया। 16 मई 1966 को कठिन भूभाग में 60 मील से अधिक चलने पर जब कालम लक्ष्य के समीप पहुंचा तो यह उपद्रवियों की हल्की मशीनगन, राईफल तथा स्टेन गन की भारी गोलाबारी में आ गया। करीब 200 की संख्या में उपद्रवियों ने कालम को घेर लिया और उनका आगे बढ़ना कठिन बना दिया। मेजर आनन्द ने तुरन्त एक प्लाटून को जवाबी गोलाबारी के लिये तैनात कर दो प्लाटूनों के साथ पार्श्व से उपद्रवियों की स्थिति पर धावा बोल दिया। जब वह उपद्रवियों के बंकरों तथा खाईयों के बिलकुल समीप पहुंच गये तो उनको एक गोली लगी। भारी घाव होने पर भी वह आगे बढ़े और उपद्रवियो की स्थिति से 20 गज की दूरी के अन्दर पहुंच गये। उस समय उनको एक और गोली लगी तथा उनकी मृत्यु हो गई। किन्तु लक्ष्य पर अधिकार कर लिया गया।

इस कार्यवाही में मेजर अशोक आनन्द ने धैर्यपूर्ण साहस तथा नेतृत्व का परिचय दिया।

3. 15564 नायब सूबेदार बबुधान गुरुंग, असम राईफल्स। (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—6 सितम्बर 1966)

6 सितम्बर 1966 को मीजो पहाड़ियों में जब असम राईफल्स की एक गश्ती टुकड़ी का उपद्रवियों की एक मजबूत स्थिति से मुकाबिला हो गया। नायब सूबेदार बबुधान गुरुंग ने, जो टुकड़ी की कमान कर रहे थे, उपद्रवियों पर धावा बोला। पेट में घाव लगने पर भी वह आगे बढ़े और अपने साथियों को लड़ने के लिये उत्साहित किया। उपद्रवियों की स्थिति पर अन्तिम आक्रमण के समय उन्हें हल्की मशीनगन का एक विस्फोट लगा और उनकी उसी स्थान पर मृत्यु हो गई। इस मुठभेड़ में अनेक उपद्रवी मारे गये तथा कुछ हथियार तथा गोलाबारूद भी हाथ लगा।

इस संक्रिया में नायब सूबेदार बबुधान गुरुंग ने उदाहरणीय साहस तथा नेतृत्व का परिचय दिया।

4. 5330715 नायब सूबेदार दान बहादुर गुरुंग, गोरखा राईफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—29 सितम्बर 1966)

29 सितम्बर 1966 को नायब सूबेदार दान बहादुर गुरुंग जम्मू तथा कश्मीर में एक गश्ती टुकड़ी में थे। जब उनका कमान अफसर एक खाली किये गये पिकेट की परिमा में एक सुरंग के फटने से घायल हो गया तो वह भारी खतरे के बावजूद आगे बढ़े और कमांडिंग अफसर को पीठ पर उठा कर वापिस आने का प्रयत्न करने लगे। वह दस गज ही आये थे कि एक दूसरी सुरंग फट गई और वह स्वयं बुरी तरह से घायल हो गये। उनका साहसिक कार्य उनके साथियों के लिये उत्साह का स्रोत बना जो दोनों को बचाने के लिये आगे बढ़ गये।

इस कार्यवाही में नायब सूबेदार दान बहादुर गुरुंग ने वीरता तथा प्रत्युत्पन्न मति का परिचय दिया।

सं० 22-प्रेज०/67—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के उपलक्ष्य में "सेना मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. लेफ्टिनेन्ट कर्नल देव राज कथूरिया (आई० सी०-7266), इन्जीनियर्स ।

अगस्त/सितम्बर 1965 में पाकिस्तान के विरुद्ध संघर्ष के समय लेफ्टिनेन्ट कर्नल देव राज कथूरिया पठानकोट में वर्क्स इन्जीनियर्स कमांडर थे । थोडी देर की सूचना पर उन्हें उस क्षेत्र की यूनिटों की कई आवश्यकताओं की पूर्ति का कार्य पूरा करना पड़ा । लेफ्टिनेन्ट कर्नल कथूरिया ने नेतृत्व, निश्चय तथा संगठन शक्ति का परिचय दिया तथा माल डिब्बों से सामान उतारने और सम्बन्धित इन्जीनियरिंग सामान को सड़कों से अग्रिम क्षेत्रों में ले जाने के कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया । 6 सितम्बर 1965 को जब शत्रु बाम्बरों ने पठानकोट हवाई अड्डे को ध्वस्त कर दिया तो उन्होंने उसकी मरम्मत का प्रबन्ध किया और उसे हर समय काम में आने योग्य बनाये रखा ।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल देव राज कथूरिया ने सदैव साहस, निश्चय तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

2. मेजर जय सिंह (आई० सी०-9490), ग्रेनेडियर्स ।

मेजर जय सिंह राजस्थान क्षेत्र में एक गैरिजन की कमान कर रहे थे । 17 और 18 नवम्बर 1965 को बडी संख्या में पाकिस्तानी घुसपैठियों ने इस चौकी पर भारी गोलीबारी की तो वह इस चौकी पर दृढ़ता से डटे रहे और अपने सैनिकों को बहादुरी से लड़ने के लिये उत्साहित किया । उनके इस साहसिक कार्य से ही उस गैरिजन की रक्षा हुई ।

इस कार्यवाही में मेजर जय सिंह ने साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

3. मेजर नन्द लाल पूनिया (आई० सी०-13565) ग्रेनेडियर्स ।

मेजर नन्द लाल पूनिया राजस्थान क्षेत्र में ग्रेनेडियर्स की एक कम्पनी की कमान कर रहे थे जो दूर तक रेगिस्तानी गश्त का एक अंग थी । 15-16 नवम्बर 1965 की रात्रि को पाकिस्तानी घुसपैठियों ने मशीनगन तथा मार्टरों से गोलाबारी आरम्भ कर दी । भारी गोलाबारी के बावजूद मेजर पूनिया ने घुसपैठियों की स्थिति के समीप एक दृढ़ अड्डा बना लिया तथा जब गश्ती दल का नेता घायल हो गया तो स्वयं साहस तथा निश्चय के साथ सक्रिया का सचालन किया और अन्ततः उस क्षेत्र से घुसपैठियों को खदेड दिया ।

इस कार्यवाही में मेजर नन्दलाल पूनिया ने साहस, नेतृत्व तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

4. सैकेंड लेफ्टिनेन्ट राजिन्दर कुमार सच्चर (ई० सी०-56722), इन्जीनियर्स ।

सेकेंड लेफ्टिनेन्ट राजिन्दर कुमार सच्चर उरी-पुंछ क्षेत्र में एक प्लाटून की कमान कर रहे थे जिसे 8500 फुट की ऊंचाई तथा सीधी ढलानों पर बिछी हुई प्राणिघातक सुरंगों को साफ करने का कार्य सौंपा गया था । यद्यपि लगातार बर्फ पड़ने के कारण ढलानों पर फिसलन थी तथा वह धोखे से पूर्ण थी, 2/लेफ्टिनेन्ट सच्चर, अपनी सुरक्षा की परवाह न कर, सुरंगें बिछे हुए क्षेत्र में घुसे और अपने आदमियों के आगे बढ़ने तथा कार्य आरम्भ करने के लिये एक सुरक्षित रास्ते की खोज की । एक सुरंग के फटने से घायल होने पर भी वह अपने साथियों का नेतृत्व करते रहे तथा उनका उत्साह बढ़ाते रहे और अपने कार्य को थोड़े ही समय में पूरा कर दिया ।

इस सक्रिया में, 2/लेफ्टिनेन्ट राजिन्दर कुमार सच्चर ने धैर्यपूर्ण साहस, नेतृत्व तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

5. सेकेंड लेफ्टिनेन्ट एच० एस० चौहान (ई० सी०-57074), इन्जीनियर्स । (मरणोपरान्त)

8 सितम्बर 1965 को जब जम्मू तथा कश्मीर में एक बटालियन पदाति सेना के भारी हमले के खतरे में थी तो 2/लेफ्टिनेन्ट एच० एस० चौहान भारतीय मोर्चे के आगे सुरंगें बिछाने के लिये बढ़े । यद्यपि उनकी प्लाटून भारी गोलाबारी में आ गई फिर भी उन्होंने अपने जवानों को उत्साहित किया जिन्होंने बिना आराम किये लगभग सारे भेद्य रास्तों पर सुरंगें बिछा दी । 21 सितम्बर 1965 को जब हमारी सैनिक टुकड़ी आगे बढ़ने को हुई तो भारी गोलाबारी की परवाह न कर सुरंग क्षेत्र में सुरक्षित रास्ते बनाने के लिये उन्होंने अपने को अर्पित किया । बाद में जब वह एक ऐसा ही कार्य कर रहे थे तो एक सुरंग के फटने से उनकी मृत्यु हो गई ।

सेकेंड लेफ्टिनेन्ट एच० एस० चौहान ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

6. जे० सी०-17374 सूबेदार उत्तम सिंह, आर्टिलरी ।

15 अगस्त 1965 को सूबेदार उत्तम सिंह एक बैटरी की एक गन स्थिति के इन्चार्ज थे जो जम्मू तथा कश्मीर क्षेत्र में एक इन्फेंट्री यूनिट की सहायता कर रहे थे । जब बैटरी शत्रु की भारी गोलाबारी में आ गई तो वह अपनी स्थिति पर डट रहे तथा शत्रु को उलझाने के लिये तोपचियों को उत्साहित किया । अपनी सुरक्षा की परवाह न कर, वह एक खाई से दूसरी खाई तक गये तथा जख्मी हुए जवानों की मरहम पट्टी की और बुरी तरह घायल हुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया । बाद में कुछ तोपचियों की सहायता से उन्होंने जलते हुए क्षेत्र से दो ट्रैक्टरों को निकाला और इस प्रकार दो गनों को सुरक्षित ले आये । अन्ततः वह शेष गनों तथा उपस्करों का अधिकांश भाग भी निकाल लाये जिस से बैटरी शत्रु के विरुद्ध फिर कार्यवाही करने में सफल हो सकी ।

सूबेदार उत्तम सिंह ने सदैव साहस, पहल-शक्ति तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

7. 1509659 नायक शिव सिंह, इन्जीनियर्स ।

नायक शिव सिंह एक प्लाटून के एक सेक्शन के कमांडर थे जिसे उरी-पुंछ क्षेत्र में 8000 से अधिक ऊंचाई तथा खडी ढलानों पर बिछी हुई प्राणिघातक सुरंगों को साफ करने का कार्य सौंपा गया था । यद्यपि लगातार वर्षा तथा बर्फ पड़ने के कारण ढलानें फिसलने वाली हो गई थी, नायक शिव सिंह ने अपनी पार्टी का नेतृत्व करने के लिये अपने को अर्पित किया । वह अपने साथियों के साथ आगे बढ़े किन्तु एक सुरंग के फटने के कारण उनकी दाहिनी एडी उड़ गई । अपने जख्म के बावजूद वह घिसट कर पहले से ही साफ किये हुए एक सुरक्षित रास्ते पर आये जिससे उनको निकालने के लिये आने वाले उनके आदमियों को कोई खतरा न हो ।

इस कार्यवाही में नायक शिव सिंह ने साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

8. 1420569 नायक श्री नारायण सिंह,
इन्जीनियर्स ।

13 सितम्बर 1965 को नायक श्री नारायण सिंह को शत्रु की महत्वपूर्ण रेलवे ट्रैक को उड़ाने का कार्यभार सौंपा गया था । 15 सितम्बर 1965 को शत्रु सैनिकों द्वारा भारी गश्त तथा पास में रूढ़ विस्फोटकों के न होने के बावजूद उन्होंने टैंक विध्वंसक सुरंगों का प्रयोग किया और रेलवे ट्रैक को उड़ा दिया । उसी रात को उन्होंने और सुरंगे रेलवे ट्रैक के नीचे लगा दीं ।

इस कार्यवाही में, नायक श्री नारायण सिंह ने धैर्यपूर्ण साहस, निश्चय तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

9. 2745988 लांस नायक गणपत कदम,
मराठा लाईट इन्फैंट्री ।

लांस नायक गणपत कदम राजस्थान क्षेत्र में एक कम्पनी के सेकैंड-इन-कमांड थे जिस पर 28 सितम्बर 1965 को पाकिस्तानी घुसपैठियों ने गोलीबारी आरम्भ कर दी । सैक्शन कमांडर ने तय किया कि जब अन्य लोग घुसपैठियों को उलझायें एक स्वयं सेवक उनकी स्थिति के पीछे जायें । लांस नायक गणपत कदम एक छोटी पार्टी के साथ लक्ष्य के पीछे रेंग कर गये और सभी घुसपैठियों को आत्मसमर्पण के लिये बाध्य कर दिया । इसी प्रकार का साहस उन्होंने घुसपैठियों के साथ हुई भुठभेड़ में 9 तथा 11 अक्तूबर 1965 को भी दिखाया ।

लांस नायक गणपत कदम ने सदैव साहस, निश्चय तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

10. 71782 लांस नायक नारे बुरा,
असम राईफल्स ।

18 नवम्बर 1965 को लांस नायक नारे बुरा राईफलमैनों के एक सैक्शन की कमान कर रहे थे जिसे अपने लक्ष्य पर पहुंचने के लिये नाव द्वारा एक नदी को पार करना था । पहले प्रयत्न में दो राइफलमैनों तथा कुछ उपस्कर ले जाती हुई नाव बीच धारा में पहुंच कर नियन्त्रण से बाहर हो गई । नाव उलट गई और इसमें बैठे सभी व्यक्ति नदी में गिर गये । एक राईफलमैन तथा चालक तैर कर निकल आये किन्तु दूसरा राईफल-मैन तेज धारा में बहने लगा । अपनी सुरक्षा की परवाह न कर लांस नायक नारे बुरा तुरन्त नदी में कूद पड़े तथा तैर कर उसे सुरक्षित स्थान पर ले आये ।

इस कार्यवाही में लांस नायक नारे बुरा ने साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

सं० 23-प्रेस/67—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के उपलक्ष्य में "नौ सेना मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. कमांडर रविन्द्र नाथ दासगुप्ता ।

16 जुलाई 1965 को कमांडर रविन्द्र नाथ दासगुप्ता आई० एन० एस० व्यास का कमान कर रहे थे जो सामुद्रिक अभ्यास के लिये बम्बई से मद्रास जा रहा था । 18 जुलाई 1965 को 3·30 बजे अपराह्न एस० एस० अचरा से खतरे की सूचना मिलने पर वह तुरन्त उसकी खोज में चल पड़े और 10·40 बजे रात्रि उस जहाज को खोज लिया । जहाज में उस समय तक एक बड़ा छिद्र हो चुका था । अंधेरा तथा मौसम के खराब होने के बावजूद, कमांडर दासगुप्ता ने बचाव संक्रिया की योजना बनाई तथा खतरे में पड़े हुए जहाज के सभी सदस्यों और कप्तान को बचाने में सफल हुए ।

इस कार्यवाही में कमांडर रविन्द्र नाथ दासगुप्ता ने साहस, नेतृत्व तथा सूझबूझ का परिचय दिया ।

2. लेफ्टिनेन्ट कमांडर ऋषि राज सूद, आई० एन० ।

23 फरवरी 1966 को जब आई० एन० एस० कावेरी प्रिन्सेज डाक में खड़ा हुआ था तो उसी समय पास ही में खड़े हुए एस० एस० जनूशा में आग लग गई । आई० एन० एस० कावेरी से लेफ्टिनेन्ट कमांडर ऋषि राज सूद के नेतृत्व में 54 नाविकों के एक दल को आग बुझाने के कार्य में सहायता करने के लिये भेजा गया । उस समय एस० एस० जनूशा के बहुत से चालकों के बाहर होने के बावजूद लेफ्टिनेन्ट कमांडर सूद ने आग पर काबू कर लिया और क्षति को कम किया जो एक बड़ा रूप धारण कर सकती थी ।

इस कार्यवाही में, लेफ्टिनेन्ट कमांडर ऋषि राज सूद ने धैर्यपूर्ण साहस, पहलशक्ति तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

3. लेफ्टिनेन्ट (ई०) राजकरन सिंह, आई० एन० ।

23 फरवरी 1966 को एस० एस० जनूशा में जो प्रिन्सेज डाक में खड़ा था भारी आग लग गई और उसके नम्बर 2 तथा 3 फलकों तथा ऊपरी ढांचे से लपटें उठने लगी । लेफ्टिनेन्ट राजकरन सिंह के चार्ज में 40 नाविकों का एक दल आग बुझाने के कार्य में मदद के लिये पहुंचा । अपने आदमियों को टोलियों में बांट कर लेफ्टिनेन्ट सिंह ने नम्बर 1 फलके तथा तेल टैंकों में आग को लगने से रोका । उन्होंने भयंकर अग्नि को बुझाने के कार्य में अपने आदमियों को लगाया और अन्त में उसे सीमित कर बुझाने में सफल हुए । इस प्रकार वह जहाज तथा उसके सामान को बचाने में अग्रिम रहे ।

इस कार्यवाही में लेफ्टिनेन्ट राजकरन सिंह ने साहस, नेतृत्व तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

4. लेफ्टिनेन्ट हेमेन्द्र साहनी, आई० एन० ।

लेफ्टिनेन्ट हेमेन्द्र साहनी समय-समय पर बहुत-सी गोताखोरी की संक्रियाओं में अनेक संगठनों, राज्यों तथा राष्ट्रीय प्रायोजनाओं की सहायता करते रहे हैं ।

जून 1966 में लेफ्टिनेन्ट हेमेन्द्र साहनी राउरकेला में मन्दिरा बांध में पानी के अन्दर जलकपाटों को उबारने वाली गोताखोर टुकड़ी के कार्य-भारी थे । बांध का आपातकालीन कपाट 50 फुट की गहराई में जाम हो गया था । कार्य को आरम्भ करने की योजना को बनाने के लिये लेफ्टिनेन्ट साहनी ने कार्य की गहनता का अनुमान करने के लिये निरीक्षणात्मक गोता-खोरी की । उसके बाद उन्होंने अपने आदमियों के साथ अनेक गोते लगाये और कार्य को सफलता-पूर्वक पूरा कर दिया ।

इस कार्यवाही में लेफ्टिनेन्ट हेमेन्द्र साहनी ने साहस, पहलशक्ति तथा व्यवसाहिक कुशलता का परिचय दिया ।

5. लेफ्टिनेन्ट ओम प्रकाश मेहता, आई० एन०।

18-19 जुलाई 1965 की रात को लेफ्टिनेन्ट ओम प्रकाश मेहता आई० एन० एस० व्याग की सामुद्रिक-नौका के कार्यभारी थे। इस नौका को एस० एस० अवरा की मदद के लिये जाना था जिसमें छिद्र हो गये थे तथा जिसे सहायता की आवश्यकता थी। यह जानकर कि छिद्र काबू में आने वाले नहीं हैं तथा मास्टर ने जहाज को छोड़ने का निश्चय किया है, लेफ्टिनेन्ट मेहता ने बचाव कार्य आरम्भ कर दिया। कठिन सामुद्रिक दशा तथा अंधेरा होने के बावजूद उन्होंने सभी कार्मिकों तथा जहाज के मास्टर को लगातार तीन चक्कर लगा कर बचा लिया।

इस कार्यवाही में लेफ्टिनेन्ट ओम प्रकाश मेहता ने साहस, पहल-शक्ति तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

6. पेटी अफसर रणवीर सिंह, (ओ० सं० 44654)।

18-19 जुलाई 1965 की रात को पेटी अफसर रणवीर सिंह आई० एन० एस० व्यास की एक समुद्री नौका के कर्णधार थे जिसे एस० एस० अवरा की, जिसके बारे में यह सूचना मिली थी कि उसके फलकों में भारी छिद्र हो गये है, मदद के लिये भेजा गया। बचाव कार्य के लिये उन्हें एक मील दूर डूबते हुए जहाज तक खराब मौसम तथा अंधेरे में तीन चक्कर लगाने पड़े।

इस कार्यवाही में, पेटी अफसर रणवीर सिंह ने साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

7. लीडिंग सीमैन आर० सिंह, (ओ० सं० 64586)।

लीडिंग सीमैन आर० सिंह उस गोताखोर टुकड़ी के सदस्य थे जिसे राउरकेला में 50 फुट की गहराई में मन्दिराबांध के जाम हुए जल कपाटों को उबारने का कार्य सौंपा गया था। इस कार्य में संकटों की परवाह न कर वह कई बार नीचे गये और अधिकतर पानी में किये जा रहे कार्य को अपने ऊपर ले कर कार्य के संचालन में योगदान दिया।

इस कार्यवाही में लीडिंग सीमैन आर०सिंह ने साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

सं० 24-प्रेज/67—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी असाधारण कर्त्तव्यपरायणता अथवा साहस के उपलक्ष्य में "वायु सेना मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. स्क्वाड्रन लीडर महाराज कृष्ण खन्ना (4360), जनरल ड्यूटीज (पायलट)।

स्क्वाड्रन लीडर महाराज कृष्ण खन्ना 1959 से एक स्क्वाड्रन में पायलट हैं। उस समय से उन्होंने अपनी व्यवसायिक कुशलता का परिचय दिया तथा सौंपे गये कार्यों को सदा सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कठिन उड़ानों के लिये सदा अपने को अर्पित किया जो वायु सेना के लिये महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

स्क्वाड्रन लीडर महाराज कृष्ण खन्ना ने सदैव साहस, व्यवसायिक कुशलता तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. स्क्वाड्रन लीडर ट्रेवर थ्योडोर ओकले (4504), जनरल ड्यूटीज (पायलट)।

स्क्वाड्रन लीडर ट्रेवर थ्योडोर ओकले 1961 से एक संक्रियात्मक स्क्वाड्रन में सेवा कर रहे हैं। उन्होने 4380 घंटे की उड़ानें की हैं जिनमें 1810 घंटे की नेफा और जम्मू तथा कश्मीर में संक्रियात्मक उड़ानें है। 1962 के चीनी हमले के समय उन्होंने लद्दाख में हमारी सेना की सहायता के लिये 94 घंटे की संक्रियात्मक उड़ानें कीं। संकट के दिनो में जब लद्दाख तथा असम क्षेत्रों को सहायता की आवश्यकता थी, उन्होंने अग्रिम क्षेत्रों में उड़ानें की तथा ट्रान्सपोर्ट सहायता के लिये दोनों स्थानों पर अपने वायुयान को उपलब्ध किया। स्क्वाड्रन में ट्रेनिंग टीम के सदस्य होने के नाते उन्होंने कई पायलटों को संक्रियात्मक ट्रेनिंग दीं।

स्क्वाड्रन लीडर ट्रेवर थ्योडोर ओकले ने सदा साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

3. स्क्वाड्रन लीडर प्रद्योत कुमार दत्ता (4754), जनरल ड्यूटीज (पायलट)।

स्क्वाड्रन लीडर प्रद्योत कुमार दत्ता 1963 से एक संक्रिया ट्रांसपोर्ट स्क्वाड्रन के साथ कार्य कर रहे हैं। वह 4720 घंटे की उड़ानें कर चुके है जिनमें 2099 घंटे नेफा और जम्मू तथा कश्मीर के संक्रियात्मक क्षेत्रों में की गई हैं। 1963 के आरम्भ में जब वह सम्भरण कार्य कर उतरने का प्रयत्न कर रहे थे तो बाहरी इन्जन में एक पक्षी घुस गया तथा इन्जन को चलने से रोक दिया। बिना घबराये उन्होंने अपने वायुयान को दक्षता से संभाला और सुरक्षित अवतरण किया।

स्क्वाड्रन लीडर प्रद्योत कुमार दत्ता ने सदैव साहस तथा व्यावसायिक कुशलता का परिचय दिया।

4. स्क्वाड्रन लीडर मदन मोहन अरोरा (3864), जनरल ड्यूटीज (पायलट)।

स्क्वाड्रन लीडर मदन मोहन अरोरा 1963 में कैरिबो वायुयान पर अमरीका में ट्रेनिंग के लिये चुने गये थे। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्होंने खराब मौसम के बावजूद कैरिबो वायुयान को सफलतापूर्वक उत्तरी अटलांटिक को पार करने के लिये उड़ाया और अति आवश्यक वायुयान को भारत में ले आये। उन्होंने नेफा तथा नागालैंड में कठिन उड़ानें तथा सामान गिराने का कार्य किया। उन्होंने 1200 घंटे की संक्रियात्मक उड़ानें की जब उनका स्क्वाड्रन अभी बन ही रहा था। फ्लाइट कमांडर होने के नाते उन्होंने जूनियर पायलटों के सामने उच्च उदाहरण प्रस्तुत किया।

स्क्वाड्रन लीडर मदन मोहन अरोरा ने सदैव साहस, पहलशक्ति तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

5. स्क्वाड्रन लीडर ह्यूग लसलाट फोर्ड (4579), जनरल ड्यूटीज (पायलट)।

स्क्वाड्रन लीडर ह्यूग लैंसलाट फोर्ड नवम्बर 1965 से ईराकी वायु सेना में डैपुटेशन पर प्रशिक्षक हैं। 26 अक्तूबर, 1966 को वह दो वायुयानों के नेता थे। तथा अपने शिष्यों को दोनों जगह आदेश दे रहे थे। नीचे उतरने समय उनके वायुयान में आग लग गई। उस समय वायुयान दलदल भूमि के ऊपर नीचाई पर उड़ रहा था। स्क्वाड्रन लीडर फोर्ड ने आग बुझाने का प्रयत्न किया किन्तु सफल न हो सके। इन परिस्थितियों में उन्होंने जहाज को छोड़ने की बजाय स्वयं पर भारी खतरा ले कर उसे उतारने का निश्चय किया। अपनी व्यवसायिक कुशलता एवं सही अनुमान से उन्होंने अपने शिष्यों को बिना चोट लगे तथा वायुयान को बिना क्षति पहुंचाये अवतरण किया।

स्क्वाड्रन लीडर ह्यूग लैंसलाट फोई ने सदैव साहस तथा व्यवसायिक कुशलता का परिचय दिया।

6. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरकेवल सिंह (5604), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरकेवल सिंह दिसम्बर 1958 से नेफा और जम्मू तथा कश्मीर क्षेत्र में संक्रियात्मक उड़ानें कर रहे हैं। इस समय के दौरान उन्होंने 3441 घंटे की उड़ानें की हैं जिनमें 2255 घंटे की अग्रिम क्षेत्रों की उड़ानें हैं। उन्होंने हमारी सेना की सहायता के लिये बार बार खराब पहाड़ी तथा स्थानों पर उड़ान के लिये अपने को अर्पित किया तथा अपने स्क्वाड्रन के पायलटों के लिये उदाहरण प्रस्तुत किया।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरकेवल सिंह ने सदैव साहस दथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

7. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरिमन सिंह सूरमा (5000), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरिमन सिंह सूरमा अक्तूबर 1962 से एक स्क्वाड्रन में पायलट हैं। उन्होंने अनेक संक्रियात्मक मिशनों पर उड़ानें की हैं तथा सौंपे गये कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरिमन सिंह सूरमा ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

8. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरि मोहन टण्डन (5211), जनरल ड्यूटीज़ (नेवीगेटर)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट हरि मोहन टण्डन सितम्बर 1961 से एक संक्रियात्मक ट्रान्सपोर्ट स्क्वाड्रन में कार्य कर रहे हैं। 1962 में चीनी हमले के समय उन्होंने अग्रिम स्थानों के लिये एक दिन में 8 घंटे तक की उड़ानें की तथा 91 घंटे की सम्पूर्ण उड़ानें कीं। उन्होंने कुल 3870 घंटे की उड़ानें की हैं जिनमें 1750 घंटे की संक्रियात्मक उड़ानें हैं।

अक्तूबर 1962 में हमारी सेना को गोला बारूद पहुंचाने के समय जब क्रियू का एक सदस्य तथा उसको बचाने के लिये जाने वाला गनर आक्सीजन की कमी से पीड़ित हो गया तो फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट टण्डन सामान वाले कम्पार्टमेंट में गये, बेहोश हुए व्यक्तियों को वायु-चापित कैबिन में खींचा और उन्हें आक्सीजन दी। उसके बाद दूसरे क्रियू सदस्यों को बाकी सामान के गिराने में सहायता की तथा अपात स्विच को प्रयोग कर ठीक स्थानों पर सामान गिराने का कार्य पूरा किया।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट हरि मोहन टण्डन ने सदैव साहस, व्यवसायिक कुशलता तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

9. फ्लाइट लेफ्टिनेंट अमर प्रकाश चन्द्र कपूर (5603), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट अमर प्रकाश चन्द्र कपूर जुलाई, 1962 से संक्रियात्मक ट्रान्सपोर्ट स्क्वाड्रन में सेवा कर रहे हैं। उन्होंने सदा कठिन कार्यों के लिये अपने को अर्पित किया। 4350 घंटों की उड़ानों में उन्होंने 1668 घंटे की संक्रियात्मक उड़ानें की। चीन तथा पाकिस्तान के विरुद्ध संक्रियाओं के समय उन्होंने अपने स्क्वाड्रन के पायलटों का हौसला बनाये रखा। उन्हें जूनियर पायलटों को सामान गिराने के लिये संक्रियात्मक प्रशिक्षण देने का कार्य भी सौंपा गया। एक उड़ान में जब वह एक जूनियर पायलट को देख रहे थे तो वायुयान के निचले पहिये का टायर फट गया तथा वायुयान में भारी कम्पन पैदा हो गया। उन्होंने तुरन्त वायुयान को संभाल लिया तथा वायुयान को सुरक्षित रूप से उतार लिया।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट अमर प्रकाश चन्द्र कपूर ने सदैव साहस, व्यवसायिक कुशलता तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

10. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट गुरबक्श राय साहनी (5457), जनरल ड्यूटीज़ (नेवीगेटर)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट गुरबक्श राय साहनी एक स्क्वाड्रन में अगस्त 1963 से दिग्चालक के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सदा कठिन उड़ानों के लिये अपने को अर्पित किया तथा सौंपे गये कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट गुरबक्श राय साहनी ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

11. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट अजय कृष्ण अवस्थी (5805), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट अजय कृष्ण अवस्थी जम्मू तथा कश्मीर और नेफा क्षेत्रों में 1960 से कार्य कर रहे हैं। वह 1180 घंटे से अधिक संक्रियात्मक क्षेत्रों में उड़ानें कर चुके हैं।

22 सितम्बर 1964 को लेह को जाते समय उनके वायुयान के स्टार बोर्ड इन्जन ने कार्य करना बन्द कर दिया तथा वायुयान तेजी से नीचे उतरने लगा। वह वायुयान को तंग घाटियों तथा कठिन भूभाग के ऊपर ले जाते हुए बेस पर सुरक्षित उतर आये। एक दूसरे अवसर पर जब वायुयान का स्टार बोर्ड इन्जन उड़ान लेने के बाद बुरी तरह से विस्फोट करने लगा तो उन्होंने धैर्यपूर्ण साहस एवं प्रत्युत्पन्न मति से स्थिति को काबू में किया और वायुयान को सुरक्षित उतार कर वायुयान, यात्रियों तथा क्रियू को बचा लिया।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट अजय कृष्ण अवस्थी ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

12. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट इन्दर पुरी (6499), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट इन्दर पुरी जुलाई 1962 से संक्रियात्मक उड़ाने कर रहे हैं। उन्होंने चीन, पाकिस्तान तथा नागालैंड के विरुद्ध संक्रियाओं में भाग लिया। उन्होंने केवल एक इंजन वाले वायुयान पर सैन्यतन्त्रात्मक ढंग से सहायता सम्बन्धी संक्रियाओं में 1100 घंटे से अधिक उड़ान की। कच्छ के रण में संक्रियाओं के समय उन्होंने लड़ाई के मैदान से बहुत से हताहतों को निकालने के लिये अनेक उड़ानें की। एक अवसर पर उन्होंने एक बिना सर्वेक्षण किये हुए स्थान पर अपने वायुयान को उतारा। उन्होंने लड़ाई के मैदान में भारी जमीनी गोलीबारी तथा शत्रु के लड़ाकू विमानों की कार्यविधियों के बावजूद निशस्त्र वायुयान में उड़ानें कीं।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट इन्दर पुरी ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

13. फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट बाबी जान्सन (4826), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट बाबी जान्सन पूर्वी क्षेत्र में एक हैलीकोपटर यूनिट में सेवा कर रहे थे। उन्होंने हैलीकोपटरों द्वारा 2375 घंटे की उड़ानें कीं, जिनमें 500 घंटे की संक्रियात्मक उड़ानें थीं। उन्होंने बहुत कठिन मशीनों के लिये अनेकों उड़ानें कीं। उन्होंने नेपाल के महामहिम महाराजाधिराज द्वारा दिये गये कार्यों को पूरा करने के लिये अनेक उड़ानें कीं और प्रशंसा प्राप्त की। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद भूटान में संचार व्यवस्था के कार्यों को सफलतापूर्वक निभाया।

फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट बाबी जान्सन ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

14. फ्लाइंग अफसर इकबाल फ़ज़ल हुसेन (6744), जनरल ड्यूटीज़ (पायलट)। **(मरणोपरान्त)**

पाकिस्तान के विरुद्ध संक्रियाओं के समय फ्लाइंग अफसर इकबाल फ़ज़ल हुसेन ने पसरूर तथा छम्ब क्षेत्रों में सशस्त्र टोह उड़ानों के अतिरिक्त शत्रु के ठिकानों पर नीचाई में उड़कर लगातार दो हमले किये। 8 सितम्बर, 1965 को वह हमले के लिये चार विमानों के एक संगठन में उड़े। वायुयान विरोधी गोलाबारी के बावजूद उनके सेक्शन ने अपने कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। बेस की ओर आते समय उनका वायुयान ईंधन पद्धति में शत्रु द्वारा जमीन से की गई गोलाबारी के कारण जलने लगा। वह सफलतापूर्वक वायुयान से कूद पड़े और अपने बेस से 12 मील की दूरी पर उतर गये। गांव के लोगों ने शत्रु पायलट समझ कर उन्हें बुरी तरह पीटा किन्तु उस कठिन स्थिति में भी अपने बचाव में उन्होंने अपने हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया। इसके बाद एक उड़ान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई।

फ्लाइंग अफसर इकबाल फज़ल हुसेन ने सदैव धैर्यपूर्ण साहस तथा व्यावसायिक कुशलता का परिचय दिया।

15. 203903 फ्लाइट सार्जेन्ट वेलायुधन कृष्ण नायर, फ्लाइट इंजीनियर।

फ्लाइट सार्जेन्ट वेलायुधन कृष्ण नायर जुलाई 1963 से एक संक्रियात्मक ट्रान्सपोर्ट स्क्वाड्रन में सेवा कर रहे हैं। वह 2352 घंटे की उड़ान कर चुके हैं जिनमें 1504 घंटे संक्रियात्मक क्षेत्रों की हैं। जब उनके स्क्वाड्रन ने फ्लाइट इंजीनियरों की कमी महसूस की तो उन्होंने अपने को हर समय अर्पित किया तथा एक दिन में 3 से 4 उड़ानें कर दूसरों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया।

फ्लाइट सार्जेन्ट वेलायुधन कृष्ण नायर ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

16. 35790 मास्टर वारन्ट अफसर वेंकटाचलम पद्मनाभा अय्यर, सिगनलर/एयर।

मास्टर वारन्ट अफसर वेंकटाचलम पद्मनाभा अय्यर जुलाई 1963 से एक संक्रियात्मक ट्रान्सपोर्ट स्क्वाड्रन के साथ कार्य कर रहे हैं। वह 5278 घंटे की उड़ान कर चुके हैं जिनमें 1600 घंटे नेफा तथा जम्मू और कश्मीर के संक्रियात्मक क्षेत्रों की हैं। उन्होंने 600 से अधिक सामान गिराने तथा अग्रिम क्षेत्रों में उतरने के लिये उड़ानें कीं। 28 दिसम्बर, 1963 को वह उस वायुयान के सिगनलर थे जो लेह में उतरते समय दुर्घटना ग्रस्त हो गया। वायुयान में आग लगने की सम्भावना से परिस्थिति बड़ी गम्भीर हो गई। धैर्यपूर्ण साहस से उन्होंने अपातकालीन ड्रिल की और वायुयान को आग लगने से बचा लिया।

मास्टर वारन्ट अफसर वेंकटाचलम पद्मनाभा अय्यर ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

17. 202041 वारन्ट अफसर समिरेन्द्र नाथ भट्टाचार्य, फ्लाइट गनर।

वारन्ट अफसर समिरेन्द्र नाथ भट्टाचार्य अक्तूबर 1961 से एक संक्रियात्मक ट्रान्सपोर्ट स्क्वाड्रन के साथ कार्य कर रहे हैं। 3404 घंटे की उड़ानों में से वह 1660 घंटे की संक्रियात्मक उड़ानें कर चुके हैं। भारी उपस्करों को वायुयानों पर चढ़ाने तथा उतारने के लिये वारन्ट अफसर भट्टाचार्य ने विशेष औजार भी बनाये और उनके द्वारा प्रदर्शित पहलशक्ति तथा व्यावसायिक कुशलता के कारण ही उनका स्क्वाड्रन अग्रिम क्षेत्रों में अधिक तादाद में सामान पहुंचाने में सफल हो सका। 1962 में चीनी हमले के समय उन्होंने रात-दिन उड़ानों के लिये अपने को अर्पित किया और सफलतापूर्वक अनेक सम्भरण तथा टोह उड़ानें कीं।

वारन्ट अफसर समिरेन्द्र नाथ भट्टाचार्य ने सदैव व्यावसायिक कुशलता तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

18. 201414 वारन्ट फ्लाइट इंजीनियर अपूर्व कुमार बैनर्जी।

वारन्ट फ्लाइट इंजीनियर अपूर्व कुमार बनर्जी मार्च 1961 से एक संक्रियात्मक ट्रान्सपोर्ट स्क्वाड्रन के साथ कार्य कर रहे हैं। इस दौरान में वह 2027 घंटे की उड़ानें कर चुके हैं जिनमें 1540 घंटे की संक्रिया उड़ाने हैं। चीन के विरुद्ध संक्रियाओं के समय उन्होंने लद्दाख में सामान पहुंचाने तथा उतरने के लिये 85 घंटे की उड़ाने कीं। उन्होंने असम घाटी में भी सामान तथा सैनिक पहुंचाने के लिये उड़ानें कीं। 1961 में जाड़े के दिनों में वह फंसे हुए एक वायुयान को निकालने के लिये कुशूल में दो सप्ताह तक रहे। उन्होंने बहुत से फ्लाइट इंजीनियरों को संक्रियात्मक प्रशिक्षण भी दिया।

वारन्ट फ्लाइट इंजीनियर अपूर्व कुमार बैनर्जी ने साहस, व्यावसायिक कुशलता तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

19. 400485 फ्लाइट इंजीनियर I श्रीनिवास राजगोपालन।

फ्लाइट इंजीनियर I श्रीनिवास राजगोपालन 1961 से जम्मू तथा कश्मीर और नेफा क्षेत्रों में उड़ान कर रहे हैं। वह 1767 घंटे की उड़ानें कर चुके हैं जिनमें 1000 घंटे से अधिक की संक्रिया हैं। उन्होंने सदा कठिन मिशनों के लिये अपने को अर्पित किया। उनकी व्यावसायिक कुशलता तथा सूझबूझ के कारण अनेक संक्रिया मिशनों में सफलता मिली। 1962 में चीनी हमले के समय उनके वायुयान को शत्रु की गोली से हानि पहुंची, किन्तु इससे न घबरा कर वह कठिन मिशनों के लिये उड़ान भरते रहे।

फ्लाइट इंजीनियर I श्रीनिवास राजगोपालन ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपराणता का परिचय दिया।

20. 202634 फ्लाइट इंजीनियर II कोशी थामस।

फ्लाइट इन्जीनियर II कोशी थामस 1962 से जम्मू तथा काश्मीर में उड़ान कर रहे हैं। उन्होंने 1457 घंटे की उड़ानें की हैं जिनमें 1031 घंटे की संक्रिया उड़ाने हैं। उन्होंने कठिन भूभाग

में सामान गिराने तथा वायुयान उतारने के लिये अनेक उड़ानें की। 28 मार्च, 1965 को लेह के लिये उड़ान में उनके वायुयान का स्टार बोर्ड इंजन फेल हो गया तो उन्होंने एक इंजनवाले वायुयान को सुरक्षित रूप से लेह में उतारने के लिये बड़ी सहायता दी।

फ्लाइट इंजीनियर II कोशी थामस ने सदैव साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

राज्य सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1967

सं० आर० एस० 35/3/67-टी०—जम्मू और काश्मीर राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य सभा के एक निर्वाचित सदस्य श्री जी० एम० मीर ने 13 मार्च, 1967 से राज्य सभा में अपना स्थान त्याग दिया है।

बी० एन० बनर्जी, सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1967

सं 12/80/66-ई० प्रोपर्टी—भारत रक्षा नियम, 1962 के नियम 133 बी के उप नियम (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार यह आदेश देती है कि श्री सत्तार अबदुल्ला मोलीवाला की भारत में समस्त चल तथा अचल सम्पत्ति, जो कि उनकी है, उनके पास है या जिसका प्रबन्ध उनकी ओर से किया जाता है, भारत शत्रु सम्पत्ति परिरक्षक के अधिकार में निहित होगी।

आर० एस० तलवार, संयुक्त सचिव

औद्योगिक विकास तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1967

सं० 1-2/65-एम० ई० आई०—भूतपूर्व इस्पात, खान तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय के संकल्प संख्या 1-2-63-एम० ई० आई० दिनांक 25 मार्च, 1964 में आंशिक रूपभेद करते हुए जिसके द्वारा बाल बियरिंग उद्योग के लिए एक नामिका गठित की गई थी, यह निश्चय किया गया है कि मेजर एम० सी० पटनी, ई० एम० ई० के स्थान पर श्री के० रामचन्द्रन, वाहन निदेशक (डायरेक्टर आफ वेहिकिल्स) रक्षा अनुसन्धान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, बाल बियरिंग उद्योग की नामिका के सदस्य होंगे।

आई० बी० चुनकत, अवर सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1967

सं० 17-13/66-भूमि संरक्षण (योजना)—राष्ट्रपति जी, श्री के० सी० भट्टाचार्य को, जो कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से संलग्न वैज्ञानिकों के पूल के एक अधिकारी हैं, अखिल भारतीय मिट्टी तथा भू-उपयोग सर्वेक्षण संगठन की एक शाखा के रूप में स्थापित हुए रिसार्चिस इन्वेन्ट्री सेन्टर में 27 फरवरी, 1967 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक प्रोजैक्ट अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० एस० निगम, अवर सचिव

शिक्षा मंत्रालय

(एस० एस० एण्ड डी० प्रभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1967

सं० 5(3)/67 एस० आर०-I—राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम संस्था (1956 के कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनी) के अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 89 के अनुसरण में, राष्ट्रपति, पहली अप्रैल 1967 से दो वर्ष की अवधि के लिये निगम-निदेशक बोर्ड का सहर्ष पुनर्गठन करते हैं और निम्नलिखित व्यक्तियों को निदेशकों के रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. डा० एस० हुमैन जहीर,
   87-लोदी स्टेट,
   नई दिल्ली-3।
2. श्री एस० एल० किर्लोस्कर,
   किर्लोस्कर आइल इंजिन्स लि०,
   एलिफिन्स्टन रोड,
   किर्की, पूना-3।
3. श्री एम० एस० मुन्द्रा,
   (संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय),
   वित्त सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय,
   नई दिल्ली।
4. श्री बी० डी० कालेलकर,
   महानिदेशक,
   तकनीकी विकास का महानिदेशालय,
   नई दिल्ली।
5. डा० आत्मा राम,
   महानिदेशक,
   वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्,
   रफी मार्ग,
   नई दिल्ली।
6. श्री एम० एम० सूरी,
   निदेशक,
   केन्द्रीय मैकेनिकल इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान,
   महात्मा गांधी एवेन्यू,
   दुर्गापुर 3।
7. डा० वाई० नयुद्म्मा,
   निदेशक,
   केन्द्रीय चर्म अनुसंधान संस्था,
   मद्रास-20।
8. श्री के० सेन,
   मैसर्स एलाइड रेसिन्स एण्ड केमिकल प्राइवेट लिमिटेड,
   10-I, एलगिन रोड,
   कलकत्ता-20।

9. श्री लक्ष्मीपत सिंहानिया,
जे० के० ऑर्गेनाइजेशन,
7-कौंसिल हाऊस स्ट्रीट,
कलकत्ता ।

10. डा० वी० रंगानाथन,
उप-मुख्य वैज्ञानिक,
रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन,
रक्षा मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

11. डा० डी० पी० अग्रवाल,
अध्यक्ष,
दा हैदराबाद आलविन मेटल वर्क्स लिमिटेड,
हैदराबाद ।

12. श्री बलदेव सिंह,
अनुसंधान समन्वय,
औद्योगिक सम्पर्क व विस्तार अधिकारी,
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्,
रफी मार्ग,
नई दिल्ली ।

13. श्री के० सी० सूद,
महानिदेशक,
रिसर्च डिजाइन एण्ड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन,
आलम बाग,
लखनऊ ।

14. श्री जे० पी० पाण्डे,
संयुक्त सचिव,
शिक्षा मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

2. संस्था के अन्तर्नियमों के अनुच्छेद 103 के अनुसार, राष्ट्रपति, पुनर्गठित-निदेशक बोर्ड का अध्यक्ष डा० हुसैन जहीर को और उपाध्यक्ष डा० आत्मा राम को सहर्ष नामजद करते हैं ।

एम० एम० मल्होत्रा, उप-सचिव

परिवहन तथा विमानन मंत्रालय

(परिवहन तथा नौवहन विभाग)

(परिवहन पक्ष)

संस्ताव

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1967

सं० 21-टी०(42)/64—महाराष्ट्र सरकार के वित्त विभाग के सचिव, श्री वी० एम० जोशी, श्री पी० एन० दमरी के स्थान पर सड़क परिवहन कराधान जांच समिति के सदस्य मनोनीत किये जाते हैं । समिति की नियुक्ति इस मंत्रालय के संस्ताव संख्या 21-टी०(42)/64, दिनांक 6 सितम्बर 1965 के अनुसार हुई थी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संस्ताव की एक प्रतिलिपि समस्त संबद्ध को प्रेषित कर दी जाये और उसे साधारण सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये ।

के० सी० मादप्पा, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1967

No. 18-*Pres.*/67.—The President is pleased to approve the award of the "VISHISHT SEVA MEDAL"/"DISTINGUISHED SERVICE MEDAL", *Class I*, to the undermentioned personnel for distinguished service of the most exceptional orders :—

Lieutenant General TIRATH RAM PAHWA (MR-158).

Major General SAILENDRA MOHAN BASU (MR-145), Army Medical Corp.

Rear Admiral PABITRA KUMAR MUKERJEE.

Air Vice Marshal Y. V. MALSE.

Air Vice Marshal KANIANTHRA ALEXANDER JOSEPH (2960), Technical Signals.

Air Commodore GURBACHAN SINGH (1779), Equipment Branch.

No. 19-*Pres.*/67.—The President is pleased to approve the award of the "VISHISHT SEVA MEDAL"/"DISTINGUISHED SERVICE MEDAL", *Class II*, to the undermentioned personnel for distinguished service of an exceptional order :—

Major General RUSTOM ZAL KABRAJI (IC-796), Signals.

Brigadier SHEODAN SINGH (IC-895), MC.

Briagadier NARINDER NATH CHOPRA (IC-567), AOC.

Brigadier WARYAM SINGH AHLUWALIA (IC-3089), EME.

Brigadier NARANJAN SINGH (IC-852), MC, The Sikh Light Infantry.

Commodore GYAN SARUP KAPOOR.

Commodore CHANDRA BHUSHAN, IN.

Air Commodore FREDERICK VAN ALLEN SCUDDER (2639), GD(P).

Colonel ANANT MAHARUDRAPPA KADKOL (IC-1751), Grenadiers.

Captain SUDHIR KUMAR CHATTERJEE, IN.

Captain SATWINDER SINGH SODHI, IN.

Group Captain KRISHNA MOHAN RAM.

Group Captain RAJ KUMAR SINGH MARYA (2916), Technical Engineering.

Group Captain JUGGER SINGH RAM SINGH (2180), Technical Engineering.

Lieutenant Colonel NARDIP SINGH (IC-3965), Engineers.

Lieutenant Colonel BALORAM MUKERJEE (MR-1090), AMC.

Wing Commander JOHN CHARLES PLOMER (3299), GD(P).

Squadron Leader NIJRAM SATRAMDAS BHAGWANANI (4509) Medical.

Squadron Leader RAJENDRA SINGH BISHNOI (3728), A. & S.D. Branch.

No. 20-*Pres.*/67.—The President is pleased to approve the award of the "VISHISHT SEVA MEDAL."/"DISTINGUISHED SERVICE MEDAL", *Class III*, to the undermentioned personnel for distinguished service of a high order :—

Acting Brigadier FREDERICK LIEWELLYN FREEMANTLE (IC-1215), Gorkha Rifles.

Acting Brigadier EDATHIL AMBALAVATTATH RAMMOHAN (IC-671), Madras.

Acting Brigadier JASWANT SINGH (IC-604), Punjab.

Lieutenant Colonel SHIMOGA RANGANNANAVARA GANESHIYA (MR-414), AMC.

Lieutenant Colonel FARHAT BHATTY (IC-2343), Grenadiers.

Lieutenant Colonel JASWANT SINGH BHULLAR (IC-2537), Punjab.

Lieutenant Colonel JIT SINGH GILL (IC-2626), Rajput.

Lieutenant Colonel RUMI HOMI MISTRI (IC-2922), ASC (*Posthumous*).

Lieutenant Colonel MATHEW THOMAS (IC-3950), Para.

Lieutenant Colonel AVTAR SINGH (IC-7289), Sikh.

Commander ANIL KUMAR BHATIA, Electrical.

Wing Commander KRISHNA GOPAL PILLAI (2018), Equipment. (*Posthumous*)

Wing Commander VETTAKKORUMAKANKAV SIVARAMA NARAYANAN (3549), Technical Signals.

Major PARAPPURATH KANDOTHARA LAKSHMANAN (MR-1182), AMC.

Lieutenant Commander R. A. J. ANDERSON, IN.

Squadron Leader SHIBNATH ROY CHOUDHURY (5239), Technical Engineering.

Captain KASTURI SARMA (MR-1101), AMC.

Captain AMITAVA MOOKHERJEE (M-30108), AMC.

Lieutenant (SD) (C) ABDUL RAHMAN BAWOO, IN.

Lieutenant (SD) (Div) ADHIR CHANDRA BHATTACHARJEE, IN.

10516 Master Warrant Officer (Honorary Flying Officer) GABRIEL PATRIC, Fit-I.

3774 Master Warrant Officer SADHU SINGH DOGRA, Machine Tools Safety Operator.

11089 Master Warrant Officer SHANTI SARUP KAPOOR, IAF POLICE.

JC-6273 Risaldar KUNDAN SINGH, 4 Horse.

1010797 Daffadar LASHKAR SINGH, Hodson's Horse.

264772 Lance Naik HAWA SINGH, Grenadiers (*Posthumous*)

2149911 Corporal ARUNGOTTUKARA VEERARAGHAVA SUBRAMANIAN, Wireless Operator Mechanic II.

Master-At-Arms MOHAMMED ABDULLA (O. No. 2732).

Chief Engine Room Operator D. F. BARUCHA (O. No. 13127).

No. 21-Pres./67.—The President is pleased to approve the award of ASHOKA CHAKRA, CLASS III, for gallantry to the undermentioned personnel :—

1. Captain NARENDRA NATH SHARMA NEOG (M-30063), Army Medical Corps.

(*Effective date of award*—14*th March* 1966).

Captain Narendra Nath Sharma Neog was medical officer of a battalion of the Gorkha Rifles. On 14th March, 1966 the unit came under heavy hostile fire on the Aijal-Champhai road in the Mizo Hills, and suffered casualties. Unmindful of his personal safety, he rushed from the rear of the column and rendered medical aid to battle casualties in the face of heavy hostile fire till all the serious casualties were evacuated.

In this action, Captain Narendra Nath Sharma Neog displayed cool courage and professional skill.

2. Major ASHOK ANAND (IC-10513), Bihar Regiment. (*Posthumous*)

(*Effective date of award*—16*th May* 1966)

On 7th May, 1966, Major Ashok Anand was detailed to lead a company column to deal with hostiles in an area in the Mizo Hills. When on 16th May, 1966, after having covered over 60 miles of extremely difficult terrain, the column approached the objective, it came under heavy hostile IMG, Rifle and sten Gun fire. The hostiles about 200 strong, pinned down the column and made further advance difficult. Major Anand immediately deployed one platoon to return the fire and led an assault on the hostile position with two other platoons from a flank. When he was very close to the hostile bunkers and trenches, he was hit by a bullet. Despite his severe wound, he advanced and reached within 20 yards from the hostile position when he was hit by another bullet and was killed, but the objective was captured.

In this action, Major Ashok Anand displayed exemplary courage and leadership.

3. 15564 Naib Subedar BABUDHAN GURANG, Assam Rifles. (*Posthumous*)

(*Effective date of award—6th September* 1966)

On 6th September 1966, a patrol of the Assam Rifles in the Mizo Hills encountered a strong hostile position. Naib Subedar Babudhan Gurang, who was commanding the patrol led an assault on the hostiles. Despite being wounded in the stomach, he moved forward and encouraged his men in the fight. While making the final assault on the position, he was hit by a burst of LMG fire and was killed on the spot. In this encounter, a number of casualties were inflicted on the hostiles and some arms and ammunition were captured.

In this operation, Naib Subedar Babudhan Gurang displayed exemplary courage and leadership.

4. 5330715 Naib Subedar DAN BAHADUR GURUNG, Gorkha Rifles.

(*Effective date of award—29th September* 1966)

On 29th September 1966, Naib Subedar Dan Bahadur Gurung was a member of a patrol party in Jammu and Kashmir. When his Commanding Officer was wounded due to the explosion of a mine in the vicinity of an abandoned picquet, he, unmindful of grave danger, rushed forward, lifted the Commanding Officer on his back and tried to come back. He had hardly moved 10 yards, when another mine exploded and he himself sustained serious injuries. His courageous action was a source of inspiration to his colleagues who immediately rushed forward to rescue both of them.

In this action, Naib Subedar Dan Bahadur Gurung displayed gallantry and presence of mind.

No. 22-Pres./67.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts exceptional devotion to duty or courage :—

1. Lieutenant Colonel DEV RAJ KATHURIA (IC-7266), Engineers.

Lieutenant Colonel Dev Raj Kathuria was Commander, Works Engineers, Pathankot, during the conflict with Pakistan in August/September 1965. At short notice, he had to meet various demands of the units in that area. Lieutenant Colonel Kathuria displayed leadership, determination and organising ability in successfully undertaking the task of unloading wagons and movement by road of operational engineering stores to forward areas. On 6th September, 1965, when Pathankot airfield was damaged by enemy bombers, he organised its repair and kept it serviceable all the time.

Throughout, Lieutenant Colonel Dev Raj Kathuria displayed courage, determination and devotion to duty.

2. Major JAI SINGH (IC-9490), Grenadiers.

Major Jai Singh was commanding a garrison in the Rajasthan sector. On 17th and 18th November 1965, when Pakistani intruders in overwhelming strength opened heavy fire on his post, he held on to the post and encouraged his men to fight back gallantly. It was due to his leadership and courage that the garrison was saved.

In this action Major Jai Singh displayed courage and devotion to duty.

3. Major NAND LAL POONIA (IC-13565), Grenadiers.

Major Nand Lal Poonia was commanding a company of the Grenadiers in Rajasthan which formed part of the long range desert patrol. On the night of 15th/16th November 1965, the Pakistani infiltrators opened machine gun and mortar fire. Despite intense shelling, Major Poonia secured a firm base close to the intruders' position and when the patrol leader was wounded, directed the operation with courage and determination and ultimately succeeded in clearing the intruders from that area.

In this action Major Nand Lal Poonia displayed courage, leadership and devotion to duty.

4. Second Lieutenant RAJINDER KUMAR SACHAR (EC-56722), Engineers.

Second Lieutenant Rajinder Kumar Sachar was commanding a platoon which was detailed to lift anti-personnel mines laid on steep slopes at a height of 8500 feet in the Uri-Poonch sector. Although the slopes were very slippery and treacherous due to continuous snowfall, 2/Lt. Sachar, disregarding personal safety, entered the mine field and proded a safe lane for his men to follow and work from. Even when wounded as a result of a mine explosion he continued to lead and encourage his men and completed the task in record time.

In this operation, 2/Lt. Rajinder Kumar Sachar displayed cool courage, leadership and devotion to duty.

5. Second Lieutenant H S. CHAUHAN (EC-57074), Engineers. (*Posthumous*).

On 8th September 1965, when a battalion in J&K sector was under the threat of heavy infantry attack, 2/Lt. H. S. Chauhan moved forward to lay minefields in front of our own position. Although his platoon came under heavy shelling and small arms fire, he encouraged his men who laid the mines without any rest and thus covered most of the vulnerable approaches. On 21st September 1965, when an advance by our troops was envisaged, he volunteered to make gaps through the minefield disregarding heavy shelling and gun fire. On a later occasion, when he was carrying out a similar task, he was killed in a mine explosion.

Throughout 2/Lt. H. S Chauhan displayed courage and devotion to duty.

6. JC-17374 Subedar UTTAM SINGH, Artillery.

On 15th August 1965, Subedar Uttam Singh was incharge of a gun position of a Battery in support of an infantry unit in the Jammu and Kashmir area. When the Battery came under heavy enemy fire, he remained at his post and encouraged the gunners to engage the enemy. Disregarding his personal safety, he moved from trench to trench and attended to the wounded and evacuated the serious casualties to safety. Subsequently, with the help of a few gunners he managed to extricate two tractors from a burning area and thus brought back two guns safely. Finally, he retrieved the remaining guns and the major part of the equipment which enabled the Battery to go again into action against the enemy.

Throughout, Subedar Uttam Singh displayed courage, initiative and devotion to duty.

7. 1509659 Naik SHIV SINGH, Engineers.

Naik Shiv Singh was commander of a section of a platoon which was detailed to lift anti-personnel mines laid on steep slopes at an altitude of over 8000 feet in the Uri-Poonch sector. Although the slopes were very slippery owing to rain and snow, Naik Shiv Singh volunteered to lead his party. He forged ahead with his men, but as a result of an explosion his right heel was blown off. Despite his injury he dragged himself to a safe lane which he had cleared earlier so that none of his men were exposed to risks in evacuating him from the mine-filed.

In this operation, Naik Shiv Singh displayed courage and devotion to duty.

8. 1420569 Naik SHRI NARAIN SINGH, Engineers.

On 13th September 1965, Naik Shri Narain Singh was detailed to blow up a railway track in order to cut a rail link vital to the enemy. On 15th September 1965, disregarding extensive patrolling by enemy troops, and although he did not have any conventional explosives, he used anti-tank mines and blew up the track. On the same night, he planted more anti-tank mines under the track.

In this action, Naik Shri Narain Singh displayed cool courage determination and devotion to duty.

9. 2745988 Lance Naik GANPAT KADAM, Maratha Light Infantry.

Lance Naik Ganpat Kadam was second-in-command of a section in a company in Rajasthan sector which was fired upon by Pakistani infiltrators on 28th September 1965. The Section Commander asked for a volunteer to go behind the position held by the infiltrators while the rest of the men kept the infiltrators engaged. L/NK Ganpat Kadam, with a small party, crawled behind the objective and forced all the infiltrators to surrender. He showed similar courage in the encounters with infiltrators again on 9th and 11th October 1965.

Throughout, Lance Naik Ganpat Kadam displayed courage, determination and devotion to duty.

10. 71782 Lance Naik NARE BURA, Assam Rifles.

On 18th November, 1965, L/NK. Nare Bura was commanding a section of riflemen which had to cross a river in a ferryboat to reach their destination. During the first trip, when the boat carrying two riflemen with some stores reached mid-stream, the crew lost control and it capsized throwing all its occupants into the river. While one rifleman and the crew swam across to safety, the second rifleman was being washed away in the fast current. Disregarding his own safety L/NK. Nare Bura immediately jumped into the water and swimming out to the drowning man, brought him to safety.

In this action, Lance Naik Nare Bura displayed courage and devotion to duty.

No. 23-Pres./67.—The President is pleased to approve the award of the "NAO SENA MEDAL"/"NAVY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. Commander RABINDRA NATH DASGUPTA.

On 16th July 1965, Commander Rabindra Nath Dasgupta was in command of INS Beas, which sailed from Bombay for Madras for maritime excercises. On receiving a distress message from SS AVRA on 18th July 1965, at 1530 hours, he immediately proceeded and located the ship at 2240 hours which had by then developed a large leak. Despite darkness and extremely rough weather conditions, Commander Dasgupta planned the rescue operations and was able to rescue all members and the Captain of the distressed ship.

In this action, Commander Rabindra Nath Dasgupta displayed courage, leadership and resourcefulness.

2. Lieutenant Commander RISI RAJ SOOD, IN.

On 23rd February 1966, when INS Cauvery was berthed in Princess Dock, a major fire broke out on SS Janusha berthed nearby. A contingent of 54 sailors from INS Cauvery under the charge of Lieutenant Commander Risi Raj Sood was despatched to help fight the fire. Despite the fact that most of the crew of SS Janusha was away at the time, Lt. Cdr. Sood managed to control the fire and thus minimised the damage which would have otherwise assumed serious proportions.

In this operation, Lieutenant Commander Risi Raj Sood displayed cool courage, initiative and devotion to duty.

3. Lieutenant (E) RAJKARAN SINGH, IN.

On 23rd February 1966, a major fire broke out in SS Janusha in Princess Dock, Bombay, and her No. 2 and 3 holds and superstructure were ablaze when a party of 40 sailors from INS Delhi under the charge of Lieutenant Rajkaran Singh arrived to render assistance. Dividing his men into groups, Lt. Singh prevented fire from spreading out to No. 1 hold and the oil fuel settling tanks. He led his men to fight successfully a major fire which was localised and eventually put out. He was thus instrumental in saving the ship and her cargo.

In this operation, Lieutenant Rajkaran Singh displayed courage, leadership and devotion to duty.

4. Lieutenant HEMENDRA SAHNEY, IN.

Lieutenant Hemendra Sahney has been associated with several diving operations to assist different organisations, States and National projects from time to time.

In June 1966, Lt. Sahney was in charge of the diving team which was entrusted with the task of salvaging underwater sluice gates at Mandira Dam at Rourkela. The emergency gate of the dam was found to be jammed at a depth of 50 feet. In order to make a plan for the operation, Lt. Sahney carried out an inspection dive and assessed the work involved. Thereafter, he dived several times along with other members of his team and completed the task successfully.

In this operation, Lieutenant Hemendra Sahney displayed courage, initiative and professional skill.

5. Lieutenant OM PRAKASH MEHTA, IN.

On the night of 18th/19th July, 1965, Lieutenant Om Prakash Mehta was in charge of a seaboat of INS Beas which was required to proceed to SS Avra which had developed leaks and was in need of assistance. On learning that the leaks were beyond control and it had been decided to abandon the ship, he undertook rescue operations. Despite hazardous sea conditions and darkness, he rescued all members of crew and the master of the ship in three successive trips.

In this operation, Lieutenant Om Prakash Mehta displayed courage, initiative and devotion to duty.

6. Petty Officer RANBIR SINGH, O. No. 44654.

On the night of 18th, 19th July 1965, Petty Officer Ranbir Singh was coxwain of the seaboat of INS Beas which was detailed to provide assistance to SS Avra which was reported to have developed major leaks in her holds. He had to make three successive hazardous trips to the sinking vessel about a mile away to effect rescue operations in bad weather conditions and in darkness.

In this task, petty Officer Ranbir Singh displayed courage and devotion to duty.

7. Leading Seaman R. SINGH, O. No. 64586.

Leading Seaman R. Singh was member of a diving team which was entrusted with the task of salvaging underwater sluice gates which were jammed at a depth of 50 feet at Mandira Dam at Rourkela. Undaunted by the hazards involved in the operation, he repeatedly went down and helped in the execution of the task by undertaking the major portion of the underwater work.

In this operation, Leading Seaman R. Singh displayed courage and devotion to duty.

No. 24-Pres./67.—The President is pleased to approve the award of the "VAYU SENA MEDAL"/"AIR FORCE MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. Squadron Leader MAHARAJ KRISHAN KHANNA (4360), General Duties (Pilot).

Squadron Leader Maharaj Krishan Khanna has been a pilot in a squadron since 1959. Since then, he has given a creditable account of his professional ability and has always successfully carried out the tasks assigned to him. He has always volunteered for difficult sorties which proved extremely useful for the Air Force.

Throughout, Squadron Leader Maharaj Krishan Khanna displayed professional skill and devotion to duty.

2. Squadron Leader TREVOR THEODORE OAKLEY (4504), General Duties (Pilot).

Squadron Leader Trevor Theodore Oakley has been serving with an operational transport squadron since 1961. He has flown a total of 4380 hours of which 1810 hours have been on operational sorties over NEFA and Jammu and Kashmir areas. During the Chinese aggression in 1962, he flew 94 hours on operational sorties in support of our army in Ladakh. During the trying days when both Ladakh and Assam sectors had to be supported, he carried out sorties to forward areas and made his aircraft available for transport support operations in both sectors. As a member of the training team in the squadron, he has also been responsible for the conversion and operational training of a number of pilots.

Throughout, Squadron Leader Trevor Theodore Oakley displayed courage and devotion to duty.

3. Squadron Leader PRADYOT KUMAR DUTTA (4754), General Duties (Pilot).

Squadron Leader Pradyot Kumar Dutta has been serving with an operational transport squadron since 1963. He has flown a total of 4720 hours of which 2099 hours have been flown in operational areas in NEFA and Jammu and Kashmir In early 1963, when, after a supply dropping mission, he was approaching an airfield to land, a bird entered one of the outer engines rendering it inoperative. Undaunted, he skilfully handled his aircraft and ensured a safe landing.

Throughout, Squadron Leader Pradyot Kumar Dutta displayed courage and professional skill.

4. Squadron Leader MADAN MOHAN ARORA (3864), General Duties (Pilot).

Squadron Leader Madan Mohan Arora was selected for training in the U.S.A. on Caribou aircraft in 1963. On completion of his training, he successfully flew a Caribou aircraft across the North Atlantic despite bad weather conditions and brought the critically needed aircraft to India. He carried out several supply dropping and hazardous missions in NEFA and Nagaland. He has completed 1200 hours of operational flying during the period while his squadron was still in the formative stage. As a flight commander, he has set a very high example to his junior pilots in the squadron.

Throughout, Squadron Leader Madan Mohan Arora displayed courage, initiative and devotion to duty.

5. Squadron Leader HUGH LANCELOT FORD (4579), General Duties (Pilot).

Squadron Leader Hugh Lancelot Ford has been an instructor on deputation to the Iraq Air Force since November 1965. On 26th October, 1966, he was the leader of a pair of aircraft and was carrying out dual insiruction with his pupil. While descending, his aircraft caught fire. The aircraft at that time was at a low altitude and over marshy terrain. Squadron Leader Ford tried to extinguish the fire but did not succeed. In these circumstances, instead of ejecting, he, at great personal risk, decided to force-land the aircraft. By accurate judgment and professional skill, he successfully force landed the aircraft in a small field without injury to his pupil or damage to the aircraft.

Throughout, Squadron Leader Hugh Lancelot Ford displayed courage and professional skill.

6. Flight Lieutenant HARKEWAL SINGH (5604), General Duties (Pilot).

Flight Lieutenant Harkewal Singh has been engaged in operational flying in NEFA and Jammu and Kashmir areas since December 1958. During this period, he has carried out a total 3441 flying hours of which 2255 hours have been over forward areas. He has frequently volunteered to provide transport support to the Army over hazardous and mountainous terrain and has been an example to the pilots of his squadron.

Throughout, Flight Lieutenant Harkewal Singh displayed courage and devotion to duty.

7. Flight Lieutenant HARIMAN SINGH SOORMA (5000), General Duties (Pilot).

Flight Lieutenant Hariman Singh Soorma has been a pilot in a Squadron since October 1962. He has undertaken a number of hazardous operational missions, and successfully carried out the tasks assigned to him.

Throughout, Flight Lieutenant Hariman Singh Soorma displayed courage and devotion to duty.

8. Flight Lieutenant HARI MOHAN TANDON (5211), General Duties (Navigator).

Flight Lieutenant Hari Mohan Tandon has been serving with an operational transport squadron since September 1961. During the operations against the Chinese in 1962, sometimes he used to fly as many as 8 hours a day on sorties to forward areas and flew a total of 91 hours. He has carried out a total of 3870 flying hours of which 1750 hours have been in operational areas.

In October 1962, during an ammunition dropping mission to our troops, when one of the ejection crew suffered from lack of oxygen and the gunner, who went to his aid, also suffered the effects of anoxia, Flight Lieutenant Tandon went to the cargo compartment, pulled the unconscious men into the pressurised cabin and administered oxygen to them. He helped the other member of ejection crew to release the lashings of the cargo and then completed the supply drop accurately on the dropping zones by using the emergency operating switch.

Throughout, Flight Lieutenant Hari Mohan Tandon displayed courage, professional skill and devotion to duty.

9. Flight Lieutenant AMAR PRAKASH CHANDRA KAPOOR (5603), General Duties (Pilot).

Flight Lieutenant Amar Prakash Chandra Kapoor has been serving with an operational transport squadron since July 1962. He has always volunteered for the most difficult and arduous tasks. Out of a total of 4350 flying hours, he has flown 1668 hours in operational areas. During the operations against China and Pakistan, he maintained high morale amongst the air crew of his Squadron. He was entrusted with the supervision of junior pilots for operational training in supply dropping in forward areas. During a sortie, when he was carrying out a check on a junior pilot, one of the undercarriage tyres of the aircraft burst on take off causing the port outer wheel to disengage partially and resulting in severe vibration in the aircraft. He promptly took over the controls and ensured the safe landing of the aircraft.

Throughout, Flight Lieutenant Amar Prakash Chandra Kapoor displayed courage, professional skill and devotion to duty.

10. Flight Lieutenant GURBAKASH RAI SAHNI (5457), General Duties (Navigator).

Flight Lieutenant Gurbakash Rai Sahni has been a navigator in a Squadron since August 1963. He has always volunteered for difficult missions and has successfully carried out the tasks assigned to him.

Throughout, Flight Lieutenant Gurbakash Rai Sahni displayed courage and devotion to duty.

11. Flight Lieutenant AJAY KRISHNA AVASTHI (5805), General Duties (Pilot).

Flight Lieutenant Ajay Krishna Avasthi has been serving in the Jammu and Kashmir and NEFA areas since 1960. He has flown more than 1180 hours in operational areas.

On 22nd September 1964, while on a sortie to Leh, the starboard engine of his aircraft failed and the aircraft started losing height rapidly. With great skill, he manoeuvred the aircratt through narrow valleys and difficult terrain and landed safely at the base. On another occasion, when the star-board engine of his aircraft started backfiring violently at an extremely critical stage immediately after take off, he, with cool courage and great presence of mind, brought the situation under control and landed the aircraft safely and thus saved the aircraft and the lives of the passengers and crew.

Throughout, Flight Lieutenant Ajay Krishna Avasthi displayed courage and devotion to duty.

12. Flight Lieutenant INDER PURI (6499), General Duties (Pilot).

Flight Lieutenant Inder Puri has been engaged in operational flying since July 1962. He took part in operations against the Chinese and the Pakistani forces and in Nagaland. He has flown over 1100 hours on logistic support operational duties in a single engined aircraft. During the operations in the Rann of Kutch, he flew a large number of sorties for casualty evacuation from the battle area. On one occasion, he successfully landed at an unsurveyed area. He carried out the sorties in the battle area in an unarmed single engined aircraft in the face of intense ground fire and regular enemy fighter reconnaissance activity.

Throughout, Flight Lieutenant Inder Puri displayed courage and devotion to duty.

13. Flight Lieutenant BOBBY JOHNSON (4826), General Duties (Pilot).

Flight Lieutenant Bobby Johnson has been serving with a Helicopter unit in the Eastern Sector. He has flown a total of 2375 hours, of which more than 500 hours have been on operations on helicopters. He also carried out many sorties on extremely difficult and hazardous missions. He undertook a number of commitments for His Majesty the King of Nepal and earned appreciation. He also successfully performed communication duties from and to Bhutan in difficult conditions.

Throughout, Flight Lieutenant Bobby Johnson displayed courage and devotion to duty.

14. Flying Officer IQBAL FAZAL HUSAIN (6744), General Duties (Pilot). (*Posthumous*)

During the operations against Pakistan, Flying Officer Iqbal Fazal Husain, in addition to armed patrol over the Pasrur and Chhamb sectors, carried out two successive low level strikes against enemy targets. On 8th September 1965, he took off from a strike mission in a formation of four aircraft. Despite anti-aircraft fire, his section completed the task successfully. While returning to base, his aircraft flamed out owing to damage to the fuel system caused by enemy ground fire. He successfully ejected himself and landed only 12 miles from his base. He was seriously injured by the villagers who took him to be an enemy pilot. Despite the difficult situation, he refrained from using his fire arms in self defence. Subsequently, he was killed in a flying accident.

Throughou, Flying Officer Iqbal Fazal Hussain displayed cool courage and professional skill.

15. 203903 Flight Sergeant VELLAYUDHAN KRISHNA NAIR, Flight Engineer.

Flight Sergeant Vellayudhan Krishna Nair has been serving with an operational transport squadron since July 1963. He has flown 2352 hours of which 1504 hours have been in operational areas. At times, when his squadron was short of Flight Engineers, he volunteered on every occasion and flew 3 to 4 sorties a day and thus set an inspiring example for others.

Throughout, Flight Sergeant Vellayudhan Krishna Nair displayed courage and devotion to duty.

16. 35790 Master Warrant Officer VENKATACHALAM PADMANABHA IYER, Signaller/Air.

Master Warrant Officer Venkatachalam Padmanabha Iyer has been serving with an operational transport squadron since July 1963. He has flown a total of 5278 hours which 1600 hours have been in operational areas in NEFA and Jammu and Kashmir. He has also carried out more than 600 sorties on supply dropping and landing at advanced landing grounds. On 28th September 1963, he was signaller of an aircraft which met with an accident while landing at Leh. The situation was fraught with grave danger as the aircraft was likely to catch fire. With cool courage, he carried out the emergency drill and saved the aircraft from catching fire.

Throughout, Master Warrant Officer Venkatachalam Padmanabha Iyer displayed courage and devotion to duty.

17. 202041 Warrant Officer SAMIRENDRA NATH BHATTACHARYA, Flight Gunner.

Warrant Officer Samirendra Nath Bhattacharya has been serving with an operational transport squadron since October 1961. Out of a total of 3404 flying hours, he has flown 1660 hours on operational duties. He was instrumental in fabricating special tools required for loading and unloading heavy equipment and his squadron was able to supply large quantity of stores to forward airfields due largely to the initiative and professional skill shown by him. During the operations against the Chinese in 1962, he always volunteered for any sortie during the day or night and carried out successfully a number of supply dropping and other missions.

Throughout, Warrant Officer Samirendra Nath Bhattacharya displayed professional skill and devotion to duty.

18. 201414 Warrant Flight Engineers APURBA KUMAR BANERJEE.

Warrant Flight Engineer Apurba Kumar Banerjee has been serving with an operational transport squadron since March 1961. During this period, he has flown a total of 2027 hours of which 1540 hours have been on operational sorties. During the operations against the Chinese, he flew a total of 85 hours on supply dropping and landing missions in Ladakh. He also flew a number of sorties airlifting material and personnel to the Assam Valley. In 1961, he spent two weeks, during winter, in Chusul to help retrieve a stranded aircraft. He has also been responsible for the operational training of a large number of flight engineers.

Throughout, Warrant Flight Engineer Apurba Kumar Banerjee displayed courage, professional skill and devotion to duty.

19. 400485 Flight Engineer-I SRINIVASA RAJAGOPALAN.

Flight Engineer-I Srinivasa Rajagopalan has been flying in the Jammu and Kashmir and NEFA areas since 1961. He has flown over 1767 hours of which more than 1000 hours have been in operational areas. He always volunteered for hazardous operational missions. His professional skill and resourcefulness contributed to a great extent towards the success of many operational missions. During the Chinese aggression in 1962, his aircraft was hit by enemy fire and damaged. Undaunted, he continued flying hazardous missions.

Throughout, Flight Engineer-I Srinivasa Rajagopalan displayed courage and devotion to duty.

20. 202634 Flight Engineer-II KOSHY THOMAS.

Flight Engineer-II Koshy Thomas has been flying in Jammu and Kashmir since 1962. He has flown 1457 hours of which 1031 hours have been in operations. He has flown a large number of missions to advance landing grounds and dropping zones located in very difficult terrain. On 28th March 1965, during a flight to Leh when the star-board engine of

the aircraft failed, he rendered valuable assistance in making a safe and successful single engineer landing at Leh.

Throughout, Flight Engineer-II Koshy Thomas displayed courage and devotion to duty.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

RAJYA SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 17th March 1967

No. RS.35/3/67-T.—Shri G. M. Mir, an elected Member of the Rajya Sabha representing the State of Jammu and Kashmir, has resigned his seat in the Rajya Sabha with effect from the 13th March, 1967.

B. N. BANERJEE, Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-11, the 15th March 1967

No. 9/19/67-Police IV—The President is pleased to award the Police (Special Duty) Medal to the following officers of Madhya Pradesh Police in recognition of their services in the specified areas of Nagaland:—

S. No.	*Personal Number*	*Rank*	*Name*
1.		Commandant	Y. Rajpal, I. P. S.
2.		Commandant	R. P. Modhi
3.		Second-in-Command	Dal Pratap Singh
4.		Assistant Commandant	R. K. E. Yedalwar
5.		,, ,,	C. F. Rich
6.		,, ,,	Bahadur Singh
7.		,, ,,	K. N. Saxena
8.		Company Commander	Ram Singh
9.		,, ,,	Haribhao Jagtap
10.		,, ,,	Gunanand Sharma
11.		,, ,,	Bhuneshwar Prasad
12.		Platoon Commander	Shiv Singh
13.		,, ,,	Mahavir Prasad Verma
14.		,, ,,	Abdul Hamid Khan
15.		,, ,,	Mangat Singh
16.		,, ,,	Jaimal Singh
17.		,, ,,	Bhawan Dass
18.		,, ,,	Ramesh Kumar
19.		,, ,,	J. C. Hunter
20.		,, ,,	L. C. Ashria
21.		Assistant Sub-Inspector	Jugal Kishore Pandey
22.	644	Head Constable	Chhabi Nath
23.	54	,, ,,	Bachan Singh
24.	274	,, ,,	Dhanbir
25.	111	,, ,,	Balwant Singh
26.	118	,, ,,	Gajraj Singh
27.	95	,, ,,	Dil Bahadur
28.	647	,, ,,	Fateh Chand
29.	542	,, ,,	Hardeo Singh
30.	131	,, ,,	Shri Ram
31.	318	,, ,,	Bhagwati Singh
32.	301	,, ,,	Shanker Prasad
33.	336	,, ,,	Abhiman Singh
34.	415	,, ,,	Barmeshwar Nath
35.	433	,, ,,	Dharam Nath Singh
36.	486	,, ,,	Shashi Ram
37.	575	,, ,,	Jai Singh
38.	610	,, ,,	Brahaspat Singh
39.	645	,, ,,	Chirangi Lal
40.	8	,, ,,	Loka Nand
41.	646	,, ,,	Nand Ram
42.	538	,, ,,	Ramadhar
43.	194	Head Constable	Sakure Gurung
44.	55	,, ,,	Mukund Singh
45.	240	,, ,,	Atma Ram
46.	16	,, ,,	Mukund Singh
47.	623	,, ,,	Vikram Singh
48.	128	,, ,,	V. T. Thomas
49.	33	Constable	Sarnam Das
50.	43	,,	Jang Bahadur
51.	50	,,	Lal Bahadur
52.	61	,,	Bachaji Singh
53.	491	,,	Asudhu Lall
54.	482	,,	Moti Singh
55.	496	,,	Bhabeshwar
56.	532	,,	Raiman Singh
57.	620	,,	Kalu Ram
58.	636	,,	Tek Bahadur
59.	1318	,,	Nanhelal
60.	1339	,,	Chhedi Lal
61.	322	,,	Kailash Narain
62.	241	,,	Sher Singh
63.	51	,,	Raje Singh
64.	531	,,	Usman Ali
65.	266	,,	Ram Bahadur
66.	139	,,	Birendra Singh
67.	574	,,	Amer Singh
68.	597	,,	Om Pratap
69.	354	,,	Mali Ram
70.	464	,,	Dalip Singh
71.	405	,,	Hari Singh
72.	269	,,	Budhi Ram
73.	570	,,	Minthoo Lal
74.	449	,,	Moti Lal
75.	501	,,	Chandra Deo
76.	302	,,	Ajmer Singh
77.	235	,,	Hasta Singh
78.	216	,,	Prem Prakash
79.	271	,,	Parash Nath
80.	337	,,	Ayodheya Prasad
81.	149	,,	Laxmi Narain
82.	401	,,	Mukta Bahadur
83.	634	,,	Dina Nath
84.	147	,,	Gopal Singh
85.	192	,,	Sher Bahadur
86.	206	,,	Ravi Lal
87.	604	,,	Shamboo Dayal
88.	471	,,	C. K. Nair
89.	385	,,	Anand Mani
90.	412	,,	Minthoo Lal
91.	631	,,	Purna Bahadur
92.	2	,,	Madan Singh
93.	9	,,	Fateh Singh
94.	11	,,	Chandan Singh
95.	19	,,	Jagat Singh
96.	34	,,	Shiv Charan
97.	56	,,	Pratap Singh
98.	61	,,	Uttam Singh
99.	70	,,	Chintamani
100.	71	,,	Bhim Bahadur
101.	76	,,	Maharaj Singh
102.	81	,,	Amar Singh
103.	99	,,	Tikaram
104.	166	,,	Dil Bahadur
105.	170	,,	Kirpa Ram
106.	198	,,	Kishan Bahadur
107.	220	,,	Yam Bahadur

(1)	(2)	(3)	(4)
108.	224	Constable	Ghumi Lal
109.	225	,,	Man Bahadur
110.	236	,,	Bhim Yadav
111.	252	,,	Narain Prasad
112.	254	,,	Parbhe Rana
113.	255	,,	Mohanlal
114.	258	,,	Ram Pat
115.	259	,,	Lal Bahadur
116.	260	,,	Ram Prasad
117.	264	,,	Shayam Kishore
118.	272	,,	Pati Ram
119.	283	,,	Bir Bahadur
120.	293	,,	Tek Bahadur
121.	324	,,	Atamaram
122.	330	,,	Daroga Rai
123.	334	,,	Manbir
124.	341	,,	Sachida Nand
125.	344	,,	Bhaya Lal
126.	352	,,	Samapat Kumar
127.	370	,,	Sada Nand
128.	382	,,	Changmang
129.	394	,,	Thag Bahadur
130.	399	,,	Dil Bahadur
131.	402	,,	Lalla Ram
132.	408	,,	Amrit Bahadur
133	410	,,	Khem Bahadur
134.	420	,,	Pini Lal
135.	422	,,	Bhim Bahadur
136	424	,,	Ram Bahadur
137.	425	,,	Heera Mani
138.	426	,,	Sunder Lal
139	429	,,	Kashinath Giri
140.	434	,,	Lungi Ram
141	452	,,	Dashrath Singh
142	458	,,	Amar Singh
143.	469	,,	Parash Ram
144.	475	,,	Ram Pratap Singh
145	481	,,	P. Balakrishna Pillai
146.	489	,,	Purna Bahadur
147.	494	,,	Chhidu
148.	503	,,	Man Bahadur
149.	504	,,	Ramji Pun
150	510	,,	Sudama Singh
151	512	,,	Heet Ram
152	518	,,	Munna Singh
153.	539	,,	Bachha Singh
154.	543	,,	Santa Bahadur
155.	545	,,	Birbal Singh
156	555	,,	Govind
157.	559	,,	Attai Singh
158	560	,,	Bhogi Ram
159.	565	,,	Rati Ram
160.	571	,,	Gopal Rao
161.	572	,,	Budhi Bahadur
162	588	,,	Riaz Ali
163.	589	,,	Bish Ram Singh
164.	591	,,	Dadhi Ram
165	593	,,	Akhtar Hussain
166.	606	,,	Girdhari Lal
167	607	,,	Chait Singh
168	613	,,	Amar Singh
169	616	,,	Chhotu Ram
170.	620	,,	Parmil Kant
171.	621	,,	Dubri Ram
172	626	,,	Girja Shankar
173.	627	,,	Sarju Mishra
174	628	,,	Ramadhar Singh
175.	633	Constable	Hirdaya Nand
176.	637	,,	Ganesh Pandey
177.	649	,,	Harpal Singh
178.	48	,,	Jaman Singh
179.	309	,,	Parbhu Singh
180.	391	,,	Anjani Kumar
181.	348	,,	Maharaj Singh
182.	121	,,	Ramswaroop
183.	1	,,	Gun Bahadur
184.	124	,,	Tej Bahadur
185.	246	,,	Shob Bahadur
186.	286	,,	Lal Bahadur
187.	327	,,	Bishnu Prasad
188.	138	,,	Keshav Prasad
189.	122	,,	Shivbir Singh
190.	178	,,	Samant Singh
191.	267	,,	Basant Rao
192.	208	,,	Balbir Singh
193.	285	,,	Gulsher Khan
194.	87	,,	Dil Bahadur
195.	320	,,	Radha Moban Singh
196.	350	,,	Jagarnath Singh
197.	316	,,	Shyam Lal
198.	448	,,	Jip Bahadur
199.	406	,,	Khem Bahadur
200.	265	,,	Phool Singh
201.	557	,,	Chandrika Prasad
202.	305	,,	Puran Singh
203.	140	,,	Mukteshwar
204.	517	,,	Nanku Ram
205.	340	,,	Muneshwar Rai
206.	369	,,	Bal Bahadur
207.	69	,,	Surendra Singh
208.	609	,,	Chhote Lal
209	611	,,	Ram Bahare
210.	561	,,	Udaibhan Singh
211.	304	,,	Jai Govind
212.	196	,,	Lal Bahadur
213.	577	,,	Vishnu Prasad
214.	484	,,	Ram Sunder
215.	636	,,	Shri Ram
216.	550	,,	Natha Rao
217.	359	,,	Manna Ram
218	635	,,	Kalika Singh
219.	172	,,	Ganga Bahadur
220.	179	,,	Tek Bahadur
221.	193	,,	Darshan Singh
222.	158	,,	Brijnandan
223.	519	,,	Anurudh Singh
224.	31	,,	Manohar Lal
225.	159	,,	Ranbir Rana
226.	461	,,	Ramsireman Singh
227.	317	,,	Lal Bahadur
228.	303	,,	Jeet Narain
229.	549	,,	Ram Chandra
230.	625	,,	Ram Ikbal Giri
231.	92	,,	Udai Singh
232.	608	,,	Ramswaroop
233.	553	,,	Sarnam Singh
234.	507	,,	Uma Singh
235.	367	,,	Ram Bihari
236.	251	,,	Ram Krishana
237.	280	,,	Khudshi Ram
238.	295	,,	Sunder Lal
239.	12	,,	Makhan Singh
240.	664	,,	Bharat Singh
241.	579	,,	Radhe Shyam

(1)	(2)	(3)	(4)
242.	297	Constable	Tul Bahadur
243.	496	,,	Hukum Singh
244.	339	,,	Shridhar
245.	142	,,	Gamal Singh
246.	294	,,	Narain Singh
247	389	,,	Phagun Lal
248.	487	,,	Sultan Singh
249.	353	,,	Man Singh
250.	462	,,	Brij Lal
251.	323	,,	Mohani Lal
252.	18	,,	Dhuruva Tara

These awards are being made under rule 1 of the rules governing the award of the Police (Special Duty) Medal.

G. L. BAILUR, Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 10th March 1967

No. 12/80/66-E Pty.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 133-v of the Defence of India Rules, 1962, the Central Government is pleased to order that all property in India moveable and immoveable, belonging to, or held by, or managed on behalf of Shri Settar Abdulla Motiwala shall vest in the Custodian of Enemy Property for India.

R. S. TALWAR, Jt. Secy

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 20th March 1967

No. 20(2)/65-SSI(B).—In pursuance of the Bye-law 28 (as amended) of the Registered Bye-laws of the Kutumb Kalyan Sahakari Udyog Samiti Ltd., Nagpur, the Government of India hereby accord their *ex-post facto* approval to the appointment of the following members of the Managing Committee of the said Society with effect from 1st December 1961 to 30th November, 1964 :—

1. Smt. Kusum Wankhede, Chairman, Maharashtra State Social Welfare Advisory Board, Bombay.
2. Smt. Subhagabai Kasikar, c/o Dr. Kasikar, Mahal, Nagpur.
3. Smt. Vimal Tidke, c/o Shri Narendra Tidke, Gurjars Wada, Mahal, Nagpur.
4. Smt. Sushilabai Kulkarni, c/o Shri Chorgade, Near College of Science, Civil Lines, Nagpur.
5. Smt. Ramabai Kedar, "Vishwashil" Telangkhedi Lay Out, Plot No. 82, Nagpur.
6. Deputy Director of Cottage Industries and Deputy Registrar for Industrial Cooperatives, Maharashtra State, Nagpur or his representative.
7. The Additional Industries Commissioner, Bombay or his nominee.
8. Director of Small Industries Service Institute, 40-40-A, Cawasjee Patel Street, Bombay or his representative.
9. Smt. Tarabai Shabde, Near Shri Tarkunde's Bungalow, Dharampeth, New Extension, Nagpur.

V. C. NAIDU, Under Secy

New Delhi, the 21st March 1967

No. 1-2/65-MEI.—In partial modification of the erstwhile Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering Resolution No. 1-2/63-MEI, dated the 25th March 1964, constituting a Panel for the Ball Bearing Industry, it has been decided that Shri K. Ramachandran, Director of Vehicles, Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence shall be a member of the Panel for the Ball Bearing Industry *vice* Major M. C. Patni, E.M.E.

I. V. CHUNKATH, Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

RESOLUTION

New Delhi, the 21st March 1967

SUBJECT :—*Study Group on Hospitals—Setting up of.*

No. F.22-57/64-H.—A Study Group on Hospitals was set up under this Ministry Resolution No. F.22-57/64-H dated the 27th August, 1966 for a period of six months. This period of six months has ended on the 26th February 1967. Since, however, the Study Group has not completed its task it has been decided to extend its period by another three months with effect from 27-2-1967. The other terms and conditions remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Rajya Sabha Secretariat/Lok Sabha Secretariat, State Governments/Union Territories/Ministries/Departments of the Government of India, Cabinet Secretariat, the Comptroller and Auditor General of India and members of the Study Group.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. N. MADHOK, Jt. Secy

Department of Family Planning

RESOLUTIONS

New Delhi, the 15th March 1967

No. F.25-1/67-ME&M(FP).—The Government of India are pleased to appoint Shri P. C. Kapur, Assistant Commissioner (Supplies) in the Department of Family Planning, Ministry of Health & Family Planning as a member of the 'Films Committee' constituted *vide* Ministry of Health & Family Planning, Department of Family Planning Resolution No. 17-4/66 ME&M(FP) dated the 28th February, 1967.

ORDER

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

The 20th March 1967

No. F.25-2/67ME&M(FP).—The Government of India are pleased to appoint Shri K. A. P. Stevenson, Joint Secretary, Planning Commission as a member of the 'Family Planning Mass Education Coordination Committee' constituted *vide*, Ministry of Health & Family Planning, Department of Family Planning Resolution No. 17-4/66 ME&M (FP) dated 28th February, 1967.

ORDER

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

No. 25-3/67 ME&M(FP).—The Government of India are pleased to appoint Shri M. V. Desai, Information Advisor, Planning Commission as a member of the 'Field Publicity Committee' constituted *vide* Ministry of Health & Family Planning, Department of Family Planning Resolution No 17-4/66 ME&M(FP) dated 28th February, 1967.

ORDER

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. N. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi-1, the 15th March 1967

No. 17-13/66-Soil Cons. (P).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Bhattacharyya, Officer of the Scientists' Pool, attached to the All India Congress Committee as Project Officer in the Resources Inventory Centre set up as a

Wing of the All India Soil and Land Use Survey, Organisation, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th February, 1967, until further orders.

V. S. NIGAM, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 17th March 1967

No. 22(11)/62-*SR-II*.—In this Ministry's Notification No. 22(11)/62-SR-II dated the 30th September, 1966 regarding National Committee for Geography, the following amendment may kindly be made;

For November 1966—*Read* November 1965.

For (Col.) J. S. Paintal—*Read* Brig. J. S. Paintal.

H. K. L. CHADDHA, Under Secy.

MINISTRY OF TRANSPORT AND AVIATION

(Department of Transport and Shipping)

(Transport Wing)

RESOLUTION

New Delhi, the 17th March 1967

No. 21-*T*(42)/64.—Shri V. M. Joshi, Secretary to the Government of Maharashtra, Finance Department has been nominated as a member of the Road Transport Taxation Enquiry Committee appointed *vide* this Ministry's Resolution No. 21-T(42)/64, dated the 6th September, 1965 in place of Shri P. N. Damry.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and also that it be published in the Gazette of India for general information.

E. C. MADAPPA, Jt. Secy.

PRINTED IN INDIA BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI 1967